डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक सद्भावना पाती

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

14 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, रविवार 06 सितंबर, 2026 वर्ष:: 14 अंक:: 130 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

झीरम घाटी हमले में 13 साल बाद आया ऐतिहासिक फैसला

एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 आरोपियों को ठहराया दोषी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के इतिहास के सबसे काले और दहला देने वाले अध्यायों में से एक, झीरम घाटी नक्सल हमले के मामले में आखिरकार न्याय की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने करीब 13 साल पुराने इस मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी 10 बचे हुए आरोपियों को दोषी करार दिया है। लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों और समर्थकों के लिए यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है।

25 मई 2013 को हुआ था नरसंहार

यह वीभत्स घटना 25 मई 2013 की है, जब कांग्रेस पार्टी की परिवर्तन यात्रा के दौरान दरभा की झीरम घाटी में नक्सलियों ने घात लगाकर सुनियोजित हमला किया था। इस भीषण नक्सल हमले में तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा, और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 32 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। घटना के दो दिन बाद जांच एनआईए को सौंपी थी।

मोदी ने पूछा-पब्लिक से कैसे बात करें, हमें टिप्स दें

● महिला टीचर का जवाब-आपको कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए ● पीएम की राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है।

पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी

प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं।

स्क्रीन टाइम एक तरह से लत बन गया

स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरुकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना किसी स्पष्टीकरण के ही लागू कर दिए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्र निर्माण की पीढ़ी तैयार करते हैं शिक्षक: राज्यपाल

जहां गुरुर खत्म और गुण शुरू होते है, वहीं गुरु की दृष्टि पैदा होती है:मुख्यमंत्री

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बच्चों की पहली पाठशाला उसका घर होती है। माता-पिता उन्हें प्रारंभिक शिक्षा और संस्कार देते हैं, लेकिन वास्तव में शिक्षक ही बच्चों को ज्ञान और संस्कारों से परिपूर्ण करते हैं। राष्ट्र निर्माण की भावी पीढ़ी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों को आत्मीय भाव से पढ़ाएं। उनकी बुद्धि, क्षमता और अपेक्षाओं को समझते हुए अपनापन और सहनशीलता का व्यवहार करें। कठिनाइयों और जिज्ञासाओं को धैर्य के साथ सुनें। प्रेमपूर्वक व्यवहार करते हुए समाधान करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि बच्चे, विकसित भारत के कर्णधार

हैं। शिक्षक इन कर्णधारों के शिल्पकार हैं। इसलिए शिक्षक पहले स्वयं ज्ञान और नैतिक गुणों का आदर्श व्यक्ति बनें। बच्चों में ईमानदारी, सहनशीलता, जुझारूपन आदि गुणों का विकास कर, उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करें।

ज्ञान और संस्कार से राष्ट्र का भविष्य गढ़ रहे हैं शिक्षक- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार- 2026 और गत वर्ष के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से पुरस्कृत शिक्षकों के सम्मान का यह आयोजन, उन सभी शिक्षकों को नमन करने का प्रसंग है, जो ज्ञान और संस्कार से राष्ट्र का भविष्य गढ़ रहे हैं। माता-पिता तो केवल बच्चे को जन्म देते हैं, लेकिन शिक्षक बच्चे के व्यक्तित्व को दिशा देकर आदर्श नागरिक बनाने का महान कार्य करते हैं।

सीएम के दुबई दौरे से पहले 11 आईएएस के तबादले

विवादों में रहने वाली अधिकारी मारव्या को हटाया; 6 जिला पंचायत सीईओ भी बदले गए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से पहले मध्यप्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें सचिव और अपर सचिव स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग ने अलग आदेश जारी कर 6 राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इनमें जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सिंहस्थ उज्जैन के अपर मेला

अधिकारी के पद शामिल हैं। 2011 बैच की आईएएस नेहा मारव्या को भी राज्य सरकार ने हटा दिया है। वे संचालक, आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं और प्रबंध संचालक, पंचायत अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। पिछले दिनों विभाग की अपर संचालक स्तर की महिला अधिकारियों के साथ भरी बैठक में अभद्रता के आरोप लगे थे। इसके बाद विभाग के अधिकारियों ने पेन डाउन हड़ताल कर दी थी। 14 अगस्त के घटनाक्रम के बाद मुख्य सचिव से भी उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। अब सरकार ने मारव्या को हटाकर एमडी, अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की जिम्मेदारी सौंपी है।

देश भर के 48 टीचर्स को मिला नेशनल अवॉर्ड

महाराष्ट्र के वैभव ने वीडियो बनाकर मैथ्स कर दी आसान

राजस्थान के दिव्येंदु ने पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर पढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए। महाराष्ट्र के वैभव वसंतराव कुलकर्णी ने गणित के मुश्किल टॉपिक समझाने के लिए 700 से ज्यादा वीडियो बनाए। वहीं राजस्थान के दिव्येंदु सेन ने 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर बच्चों को जानकारी देने का नया तरीका अपनाया।

शिक्षकों की अलग-अलग पहल ने दिलाया सम्मान

मंजरी महाजन, हिमाचल प्रदेश : स्कूल में बच्चों की पढ़ाई के साथ पर्यावरण बचाने पर काम किया। कचरा अलग करना, प्लास्टिक जमा करना और कैंपस को प्लास्टिक से मुक्त रखने की व्यवस्था की। दिव्येंदु सेन, राजस्थान : बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़ी पढ़ाई कराई और उनके साथ 12 नए क्षुद्र ग्रह खोजे। स्कूल के 500 पेड़ों पर क्यूआर कोड लगाकर उनके बारे में जानकारी दी। डॉ. वर्तिका गुलाटी, राजस्थान : बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाने के लिए गूगल मीट और गूगल फॉर्म का इस्तेमाल किया। कोविड के दौरान ऑनलाइन कक्षाएं लेकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। दिनेश कुमार, पंजाब : वर्चुअल फिजिक्स लैब बनाई और 100 से ज्यादा कम खर्च वाले मॉडल तैयार किए। इससे बच्चों को फिजिक्स आसानी से समझने में मदद मिली और उनका डर कम हुआ। रवि जयसवाल, चंडीगढ़- स्कूल में 3डी गुंबद थिएटर और मौसम केंद्र बनाया। बच्चों को अंतरिक्ष और मौसम के बारे में सीधे प्रयोग और अनुभव के जरिए समझाया।

जोधपुर में शुरू हुआ 'वीर गार्जियन 2026' युद्धाभ्यास

आसमान में गरजेगी भारत और जापान की संयुक्त ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना और जापान की वायुसेना के बीच द्विपक्षीय युद्धाभ्यास वीर गार्जियन 2026 का आगाज हो गया है। यह अभ्यास 9 सितंबर से 22 सितंबर 2026 तक जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी। वायुसेना ने बताया कि जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के दो सी-2 विमान जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर उतरे, इनके साथ जापानी दल इस अभ्यास के दूसरे संस्करण में शामिल होने के लिए भारत पहुंचा है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि यह अभ्यास दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल, ऑपरेशनल सहयोग और आपसी समझ को और बढ़ाएगा।

'ऑपरेशन अशदर' में मारे गए आतंकी की पहचान

● पहलगाम आतंकी हमले में था शामिल,सेना ने किया ढेर ● अंतिम आतंकी का भी खात्मा,पाक से निकला कनेक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन अशदर में मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली है। पुलिस के अनुसार आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर हुई है। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। वह पाकिस्तानी का रहने वाला था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन के बाद मारे गए आतंकवादी की पहचान कर ली गई है। यह पाकिस्तान का रहने वाला था और लश्कर से जुड़ा था।

पहलगाम के हमलावरों का साथी था यासिर

पहलगाम हमले के बाद जब आतंकवादियों की तस्वीर जारी की गई थी। उसमें यासिर भी शामिल था। ऑपरेशन अशदर में पाकिस्तान के रहने वाले इस आतंकवादी को मार गिए जाने को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान से आए आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों को मारा था।

प्रदेश में मानसून सक्रिय रहने तक रहें बेहद सावधान

● मुख्यमंत्री यादव बोले-राहत एवं बचाव कार्यों में कोई भी कमी न रहने दें ● बाढ़ प्रभावितों को तत्काल दें खाना, कपड़ा और जरूरत का सूखा सामान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अतिवृष्टि की वजह से कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसे में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है। कठिनाई की इस घड़ी में शासन, प्रशासन, तहसील का हर अधिकारी और कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता, तत्परता और समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्यों में सहयोग करें। किसी भी नागरिक को संकट में अकेला न छोड़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, होमगार्ड, फील्ड अधिकारी, राहत एवं बचाव कार्य में जुटी एजेंसीज प्रदेश में मानसून सक्रिय रहने तक बेहद सजग रहें, सतर्क रहें, सावधान रहें और किसी भी परिस्थिति को हैंडल करने के लिए तैयार रहें। **सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ बातचीत** - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को होमगार्ड कार्यालय के एसडीआरएफ स्टेट कमांड सेन्टर पहुंचकर

प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बात की और सभी से उनके जिलों में वर्षा की स्थिति की जानकारी लेकर समीक्षा बैठक भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं बाढ़ का पानी घरों तक आ गया है तो प्रभावितों को तत्काल राहत शिविरों में पहुंचायें और सभी प्रभावितों को तत्काल खाना, कपड़ा और जरूरत का सूखा सामान उपलब्ध कराएं। साथ ही इन्हें शासन की ओर से नियमानुसार राहत राशि भी दिलायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी के जरिए ही प्रदेश के कुछ जिलों में बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाये जा रहे रेस्क्यू का लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने पन्ना, गुना, रीवा, सतना और पूर्वी मध्यप्रदेश के जिलों में अतिवृष्टि के कारण उपजी परिस्थितियों पर सीधे पुलिस अधीक्षकों, होमगार्ड और बचाव दल के अधिकारियों से बात की। बताया गया कि पन्ना की किलकिला नदी में आई बाढ़ के कारण यहां स्टेट डिसेस्टर इमरजेंसी रिस्पांस फोर्स (एसडीईआरएफ) द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बैठक में मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग संजय कुमार शुक्ल, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, एडीजी होमगार्ड सुश्री प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, एडीजी इंटेलीजेंस अंशुमन यादव, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, एसडीईआरएफ के स्टेट हेड सहित सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए स्वतंत्र भारद्वाज

निशु आजाद के पिता से मारपीट मामले में ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान निशु आजाद के पिता से मारपीट के मामले में स्वतंत्र भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक दिन पहले भारद्वाज को पुलिस ने पकड़ा था अब उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में संबंधित जज के आवास पर शनिवार को स्वतंत्र भारद्वाज की पेशी हुई। जिसके बाद उसे एक दिन की पुलिस कस्टडी में जज ने भेजा है। यह मामला प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय आजाद संग मारपीट की घटना से जुड़ा है। वहीं 'इन्फ्लुएंसर' स्वतंत्र भारद्वाज के सपोर्ट में कुछ हिंदूवादी संगठनों ने पर्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाद प्रदर्शन भी किया है। स्वतंत्र भारद्वाज पर जिस कथित मारपीट की घटना को लेकर कार्रवाई हो रही ये पूरा मामला जुलाई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान का है। हालांकि अब ये सुर्खियो इसलिए आया क्योंकि स्वतंत्र भारद्वाज ने दो दिन पहले ही एक पॉडकास्ट में दावा किया था कि उसने प्रदर्शनकारी निशु आजाद के पिता संजय का सिर फोड़ दिया था और उन्हें 60 टांके लगे थे। घटना के बाद संजय को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से ले जाया गया।

भारत ने सिंधु नदी पर बनाया पत्थरों का बांध

10 फीट तक बढ़ा जलस्तर, बढ़ेगी पाक की मुश्किल

लेह (एजेंसी)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच भारत ने लद्दाख में पत्थरों का ऐसा बांध बना दिया है, जिससे लद्दाख के बंजर क्षेत्र को पानी मिलने के साथ पाकिस्तान की मुसीबत और बढ़ सकती है। पत्थरों का इस्तेमाल कर बनाए इस चेक डैम से सिंधु का जलस्तर 10 फीट ऊपर हो गया है और इससे चार करोड़ लीटर पानी लद्दाख के सूखे खेतों को मिल सकेगा। यहां बता दें की सिंधु जल समझौते के तहत सिंधु नदी का पूरा पानी पाकिस्तान चला जाता था और लद्दाख की जमीन सूखी ही रह जाती थी। पहलगाम हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इससे पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपना दुखड़ा रो रहा है। हाल ही में एससीओ सम्मेलन में भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस समझौते का मुद्दा

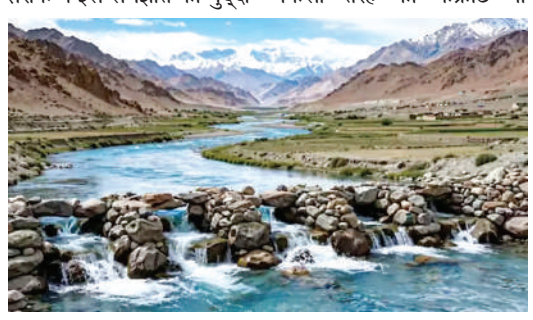

उठाया था। **लेह के लिए बनाया पत्थरों का बांध-** लेह जिले के उश्शी इलाके में बने इस चेक डैम से अब करीब चार करोड़ लीटर पानी का संग्रह संभव हो सकेगा। इस पानी को सिंचाई नहर के जरिए उन खेतों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से जूझ रहे थे। ढांचे में किसी तरह का कंक्रीट या सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। केवल प्राकृतिक पत्थरों से इस चेक डैम को बनाया गया है। लद्दाख के किसान इस डैम के पानी का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अब तक सूखे रहते थे खेत

लद्दाख के किसानों की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि उनके पास दुनिया की प्रमुख नदियों में से एक सिंधु मौजूद थी, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना संभव नहीं था। सिंधु नदी गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है, ऐसे में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना आसान नहीं था। अब यह डैम बनने से जलस्तर करीब 10 फीट ऊंचा हो गया है और इससे पानी को खेतों तक पहुंचाना संभव हो पा रहा है। भले ही इससे बिजली उत्पादन संभव नहीं है, पर लद्दाख के किसानों के लिए यह योजना वरदान बनेगी।

तमिलनाडु में स्कूल के खाने में मिलवाया गोबर पाउडर

पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के इरोड जिले में सरकारी स्कूल के खाने में गोबर पाउडर मिलाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 48 साल के अरुमुगम को गिरफ्तार किया है। वह स्कूल की रसोइया का पति है। वह अपनी पत्नी को नौकरी से निकाले जाने का बदला लेना चाहता था। मामला सत्यमंगलम के पास रामापयलूर के सरकारी मिडिल स्कूल का है, जहां 51 बच्चे पढ़ते हैं। जांच में पता चला कि पाउडर सिर्फ टीचरों के लिए अलग रखे गए सांभर में मिला था, बच्चों को परोसे जाने वाले खाने में नहीं। 31 अगस्त को स्कूल की शिक्षिका रेवती ने नाश्ता योजना के तहत तैयार सांभर को चखकर देखा। उन्हें इसका स्वाद कड़वा लगा। उन्होंने हेडमिस्ट्रेस कुमुधा को इसकी जानकारी दी। इसके बाद सत्यमंगलम ब्लॉक विकास अधिकारी की सलाह पर हेडमिस्ट्रेस ने पुलिस में शिकायत की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि गोबर पाउडर सिर्फ टीचर्स के लिए रखे गए सांभर के सैंपल में मिला था।

भदभदा-कलियासोत डैम के 2 गेट खुले

श्योपुर में गुप्तेश्वर मंदिर डूबा, अमराल-कूनो उफान पर, कई बांधों से पानी छोड़ा गया

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में लगातार बारिश के चलते कई नदियां और बांध उफान पर हैं। भोपाल में भदभदा,कलियासोत डैम के दो गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। वहीं श्योपुर में अमराल नदी रौद्र रूप में बह रही है। गुप्तेश्वर मंदिर जलमग्न हो गया है और विजयपुर की सब्जी मंडी समेत कई इलाकों में पानी भर गया। अमराल और कूनो नदी डेंजर लेवल के करीब पहुंच गई हैं।

श्योपुर में कूनो नदी का पानी रेशम कॉलोनी की बस्ती में घुस गया। क्वारी नदी खतरे के निशान पर पहुंच गई। कदवाल नदी का पानी किला गेट तक पहुंच गया है। आवदा डैम भर चुका है। ओवरफ्लो हो रहा है। 4 गेट खोल दिए गए हैं। हरसी डैम भी वेस्ट वियर से करीब डेढ़ फीट ऊपर बह रहा है।

टीकमगढ़ के बान सुजारा बांध के 8 गेट खोलकर धसान नदी में 668 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है। शिवपुरी में मड़ीखेड़ा डैम 90.49 प्रतिशत भर चुका है। बढ़ते जलस्तर के बाद डैम के 4 गेट खोले गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 19 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट है।

7 जिलों में स्कूल बंद

भारी बारिश और बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए शनिवार को श्योपुर, शिवपुरी, गुना, मुरैना, रायसेन, भिंड और ग्वालियर में स्कूल बंद रखे गए हैं। अलग-अलग जिलों में नर्सरी से 8वीं या नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों को अवकाश दिया गया है। कई जगह आंगनवाड़ी केंद्र भी बंद रखे गए हैं।

फोटो : प्रवीण वाजपेई

सीएम बोले- 2,783 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य आपदा प्रबंधन कक्ष में बारिश-बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा- एनडीआरएफ एसडीआरएफ की टीमें अलग-अलग स्थानों पर तैनात हैं। बीते एक महीने में आपदा प्रबंधन टीमों की मदद से 2,783 से अधिक लोगों का रेस्क्यू किया गया है।

ओंकारेश्वर डैम का जलस्तर 5-6 फीट घटा

खंडवा के ओंकारेश्वर डैम का जलस्तर तेजी से घटा है। अब तक करीब 5-6 फीट की कमी आई है। दिन में जलस्तर कम रखा जा रहा है, जबकि शाम से सुबह तक बांध से करीब 1,896 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है।

फिलहाल एक मशीन से 237 क्यूमेक्स पानी छोड़े जाने की जानकारी है। नर्मदा घाटों पर सुरक्षा के लिए एसडीईआरएफ के जवान लगातार तैनात हैं। श्रद्धालुओं से नदी में सावधानी बरतने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की जा रही है।

टीकमगढ़ के बान सुजारा बांध के 8 गेट खुले

टीकमगढ़ में बान सुजारा बांध के 8 गेट खोलकर धसान नदी में पानी छोड़ा जा रहा है। इनमें 4 गेट 0.75 मीटर और 4 गेट 0.50 मीटर खोले गए हैं। बांध से 668 घन मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पानी छोड़ा जा रहा है। बान सुजारा बांध की कुल भराव क्षमता 316.50 मीटर है, जबकि वर्तमान जलस्तर 315 मीटर पहुंच गया है। बांध में धसान नदी के ऊपरी हिस्से से 215 घन मीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से पानी की आवक हो रही है।

श्योपुर के रेशम कॉलोनी में घुसा कूनो नदी का पानी

श्योपुर के सेसईपुरा गांव की रेशम कॉलोनी में शुक्रवार रात कूनो नदी का पानी बस्ती में घुस गया। अचानक पानी भरने से ग्रामीणों को रातभर परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि नदी के पास बसी कॉलोनी में रात के समय पानी आने के बावजूद प्रशासन का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। आदिवासी परिवार पूरी रात जागकर स्थिति पर नजर रखते रहे। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए सड़क पर पेड़ और पत्थर डालकर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे बाद जाम खुलवा दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रातभर पानी भरने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई मदद या निगरानी नहीं की गई।

सीएम के दुबई दौरे से पहले 11 आईएएस के तबादले

विवादों में रहीं अधिकारी निवेदिता और मारव्या को हटाया, 6 जिला पंचायत सीईओ भी बदले गए

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से पहले मध्यप्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। 11 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इनमें सचिव और अपर सचिव स्तर के अधिकारी भी शामिल हैं।

इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने अलग आदेश जारी कर 6 राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इनमें जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) और सिंहस्थ उज्जैन के अपर मेला अधिकारी के पद शामिल हैं।

विवादों में रहने वाली नेहा मारव्या को भी हटाया

2011 बैच की आईएएस नेहा मारव्या को भी राज्य सरकार ने हटा दिया है। वे संचालक, आदिम जाति क्षेत्रीय विकास योजनाएं और प्रबंध संचालक, पंचायत अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की जिम्मेदारी संभाल रही थीं। पिछले दिनों विभाग की अपर संचालक स्तर की महिला अधिकारियों के साथ भरी बैठक में अभद्रता के आरोप लगे थे। इसके बाद विभाग के अधिकारियों ने पेन डाउन हड़ताल कर दी थी। 14 अगस्त के घटनाक्रम के बाद मुख्य सचिव से भी उनके खिलाफ शिकायत की गई थी। अब सरकार ने मारव्या को हटाकर प्रबंध संचालक, अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम की जिम्मेदारी सौंपी है। सागर कमिश्नर अनिल सुचारी को हटाकर दिलीप कुमार को नया संभागायुक्त बनाया गया है।

निधि निवेदिता को खिलाफ भी हुई थी हड़ताल

महिला और बाल विकास विभाग की आयुक्त निधि निवेदिता के विरुद्ध एक सप्ताह पहले महिला और बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक स्तर के अधिकारी के साथ डांट फटकार के बाद आंदोलन की स्थिति बन गई थी। यहां के अधिकारियों ने आयुक्त के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। बाद में शासन स्तर से इस मामले में हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ और अधिकारी काम पर लौटे थे। अब सरकार ने निधि निवेदिता को महिला और बाल विकास विभाग से हटाकर राजस्व विभाग में पदस्थ कर दिया है।

6 जिला पंचायत सीईओ भी बदले गए

आईएएस अधिकारियों के तबादलों के साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग ने 6 राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों के तबादले भी किए हैं। इन अधिकारियों को मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अपर मेला अधिकारी, सिंहस्थ उज्जैन के पद पर पदस्थ किया गया है। इस बदलाव को सिंहस्थ की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिला पंचायतों में सीईओ स्तर पर बदलाव से संबंधित जिलों में प्रशासनिक जिम्मेदारियों का नया बंटवारा होगा।

सरकार ने कुमार पुरुषोत्तम का कद बढ़ाया

मुख्यमंत्री सचिवालय में अपर सचिव और प्रबंध संचालक, राज्य कृषि विपणन बोर्ड की जिम्मेदारी संभाल रहे कुमार पुरुषोत्तम को सरकार ने अतिरिक्त जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई दौरे से पहले उन्हें आयुक्त, उद्योग और प्रबंध संचालक, लघु उद्योग निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं, लोक सेवा आयोग इंदौर की सचिव शीतल पटले को आगामी आदेश तक श्रम आयुक्त, इंदौर का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

मटकी फोड प्रतियोगिता और भजन कीर्तन से गूंजा एलवीएस ग्रुप ऑफ स्कूल का परिसर

भोपाल, । गांधीनगर लक्ष्मीदेवी विक्योमल शराफ (एल.वी.एस.) एजुकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी एवं भगवान श्री राधाकृष्ण मंदिर में मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की मनोरम झांकी सजाई मटकियां बांसुरियां और मोरपंख से प्रांगण को सुसज्जित किया। नन्हे-मुन्ने बच्चे श्रीकृष्ण राधा एवं बलराम की वेशभूषा में नज़र आए। कार्यक्रम के दौरान मटकी फोड़ प्रतियोगिता पोस्टर निर्माण तथा भक्तिमय गीत व भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं जिनका गांधीनगर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुजूर क्षेत्र के विधायक ामेश्वर शर्मा उपस्थित रहे।

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की आरती की और अपने संबोधन में कहा ÷भगवान के हाथ में सुदर्शन चक्र होने पर भी जिनके मुख पर मुरली है वह श्रीकृष्ण हैं द्वारिका जैसा वैभव होने के बाद भी सुदामा जैसा मित्र हो वह श्रीकृष्ण हैं। भगवान श्रीकृष्ण हमें जीवन में विनम्रता मित्रता और कर्तव्य वहन का संदेश देते हैं। इस अवसर पर श्री रामेश्वर शर्मा ने विद्यालय के स्टॉाफ को शिक्षक दिवस की भी बधाईयां दी। उन्होंने सभी से गीता के उपदेशों को व्यावहारिक जीवन में अपनाकर देश को खुशहाल एवं विकसित बनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने एल.वी.एस. एजुकेशनल सोसायटी के सचिव रमेश हिंगोरानी समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को बधाई दी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताया कि उन्होंने सभी विद्यालयों में जन्माष्टमी पर्व मनाने के आदेश जारी किए हैं।

कार्यक्रम में संत जी के परम शिष्य। हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि भगवानी श्री कृष्ण ने हमें धर्म का साथ देकर कर्म करना सिखलाया है। संस्थाव के सचिव रमेश हिंगोरानी ने हीरो ज्ञानचंदानी का शाल एवं श्रीफल से सम्मा न किया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी ने शाला परिवार को शुभकामनाएं दीं। अंत में सभी उपस्थित जनों को प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यजक्ष राजू मीणा खूबचंद भागचंदानी कमलेश ग्वा?लानी रवि चंदानी किशन रेलवानी एवं अन्यर गणमान्ये नागरिक उपस्थित थे

शिक्षकों ने ई अटेंडेंस लगाई मैसेज आया अनुपस्थिति का

शिक्षक दिवस पर विद्यालयों में हाजिर होने के बाद भी मैसेज से टीचर्स परेशान

भोपाल (नप्र)। शिक्षक दिवस के दिन विद्यालयों में पहुंचकर ई अटेंडेंस लगा चुके सैकड़ों शिक्षकों को स्कूल शिक्षा विभाग ने विद्यालय में मौजूद होने के बाद भी अबसेंट होने का मैसेज भेजा। हमारे शिक्षक एप के जरिए मिले ऐसे मैसेज से शिक्षक परेशान हुए और इस मामले में विभाग के अधिकारियों को संज्ञान में लेकर विद्यालय में हाजिर होने के बाद भी गैर हाजिर होने का मैसेज आने पर तकनीकी गड़बड़ी सुधारने की मांग की है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में लागू ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर शिक्षकों की परेशानियां लगातार सामने आ रही हैं। कई शिक्षक निर्धारित शाला समय पर विद्यालय पहुंचकर हमारे शिक्षक ऐप के माध्यम से ई-अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं और पूरे समय विद्यालय में उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

इसके बावजूद संबंधित शिक्षकों के मोबाइल पर ऑनलाइन संदेश प्राप्त हो रहे हैं कि शिक्षक ने ऐप पर उपस्थिति दर्ज नहीं की है या शिक्षक अनुपस्थित है। ऐसी स्थिति शनिवार को शिक्षक दिवस के दिन भी बनी।

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

अस्पताल जाते समय हुआ हादसा, कॉलेज से सीधे पोस्टमार्टम रूम पहुंची इकलौती बेटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र के शिवानी होम्स निवासी 53 वर्षीय कुलदीप सक्सेना की शनिवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। वे दीवानगंज स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में बतौर सुपरवाइजर काम करते थे।

शनिवार सुबह करीब 9 बजे वे रूटीन चेकअप के लिए भानपुर स्थित एक निजी अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान डी मार्ट और पीपुल्स अस्पताल के बीच पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी।

हादसे में कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी चालक और ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

कॉलेज से सीधे पोस्टमार्टम रूम पहुंची इकलौती बेटी

कुलदीप की मौत की खबर जैसे ही परिजन को मिली, परिवार में मातम छा गया। उनकी इकलौती बेटी उस समय कॉलेज में थी। पिता के हादसे में घायल होने और बाद में मौत की सूचना मिलने पर वह कॉलेज से सीधे अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम पहुंची। यहां परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार भी पहुंच गए। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजन को सौंप दिया।

इंदौर में शहर की ओर बढ़े मेट्रो के कदम

केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री ने कमर्शियल रन को दिखाई हरी झंडी

भोपाल/इंदौर (नप्र)। सुपर कॉरिडोर पर अभी तक 5.9 किलोमीटर सीमित हिस्से में चल रही मेट्रो शनिवार को अपना एक कदम और आगे बढ़ाकर 17 किलोमीटर की दूरी तय कर अब बापट चौराहा, विजयनगर व रेडिसन की ओर न सिर्फ बढ़ते हुए शहरवासियों को इस हिस्से में मेट्रो के नए सफर का अनुभव देगी।

शनिवार को शहर के ब्रिलियंट कंवेशन सेंटर में आयोजित समारोह में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विस्तारित मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने बापट चौराहे से मेट्रो के इस कमर्शियल रन को हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेट्रो के दूसरे चरण का शुभारंभ हो रहा है। पहला बाहरी क्षेत्र में था अब शहर के बीच पहुंच चुकी है। अगले चरण में शहर के अन्य क्षेत्रों में जाएगी। माननीय मोदी जी ने इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन की बड़ी सुविधा दी है। आने वाले समय मुम्बई पहुंच आसान होगी। समय भी बचेगा। माननीय मंत्री खट्टर साहब जब भी इंदौर आते हे, बड़ी सौगात देकर जाते है।

पीथमपुर और उज्जैन के आगे मक्सी तक बढ़ाएंगे

इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले कि मेट्रो का प्लान हमारी सरकार में बना था और शुरुआत में यह पीथमपुर, उज्जैन ओर बाहरी हिस्से में चलना थी, लेकिन अब यह शहर के बीच में पहुंच गई, पहला चरण मे पहला सोपान मिला है। अन्य चरण में अगले 10, 20 साल में इसका लगातार विस्तार चलता रहेगा। इसको उज्जैन, फिर पीथमपुर ओर उज्जैन के आगे अवंतिका, मक्सी तक बढ़ाएंगे।

कैलाश जी के संगठन कौशल को बखूबी जनता हूं

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री यादव का परिचय पहली बार मुख्यमंत्री बनने पर हुआ था, इसके बाद इनके कार्य बोल रहे है। कैलाश जी के संगठन कौशल को बखूबी जनता हूं। हरियाणा की सरकार इनकी वजह से बनी थी। मुझे इस बात को कहने में कोई समस्या नहीं की इन्होंने हरियाणा में पहली बार सरकार बनाने के लिए बेहतर कार्य किया था। उन्होंने कहा कि इस लाइन के शुरू होने के बाद देशभर में 1170 किमी लंबी मेट्रो लाइन हो जाएगी। दुनिया में चाइना में 8000 किमी लाइन है, लेकिन आने वाले दो वर्षों में हम यूएस को पीछे छोड़ कर दूसरा देश बन जाएंगे ामेट्रो के कारण से दिल्ली में रिक्शा गायब हो गए।

शिक्षक वर्ग-2 और 3 के धरने में पहुंचे दिग्विजय

प्रदर्शनकारियों ने कल रोका था केंद्रीय मंत्री शिवराज और मुख्यमंत्री का काफिला

भोपाल (नप्र)। शिक्षक वर्ग-एक, दो और तीन के उम्मीदवारों द्वारा 15 दिनों से की जा रही भूख हड़ताल और प्रदर्शन अब राजनीतिक रूप लेने लगा है। इन अभ्यर्थियों द्वारा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का काफिला जन्माष्टमी पर रोके जाने के अगले दिन यानी शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इनके प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे हैं। वे पहले भी इस प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे थे और उन्होंने इन अभ्यर्थियों की मांग उचित बताते हुए प्रदर्शन में दोबारा शामिल होने की बात कही थी।

प्रदेश के शिक्षक वर्ग 2 और 3 के अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर पिछले 15 दिनों से भोपाल के जहांगीराबाद क्षेत्र में स्थित नीलम पार्क में भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी मांगों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह आज शिक्षक दिवस के दिन अभ्यर्थियों के साथ धरने पर बैठने पहुंचे।

नीलम पार्क में आंदोलन कर रहे वर्ग-1 चयन परीक्षा 2023 के अभ्यर्थियों का कहना है कि वे पिछले तीन साल से पद बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में 8720 पद स्वीकृत और विज्ञापित किए गए थे, लेकिन पहली काउंसलिंग में केवल 2901 पदों पर नियुक्तियां हुईं। इससे 5819 पद अब भी खाली हैं या उन पर काउंसलिंग नहीं कराई गई है। अभ्यर्थियों ने कल केंद्रीय मंत्री शिवराज को दिए ज्ञापन में 10 हजार नए पद जोड़कर दूसरी काउंसलिंग कराने की मांग की। उनका कहना है कि भर्ती करीब पांच साल बाद निकली थी, इसलिए बड़ी संख्या में उम्मीदवार लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं और कई अभ्यर्थी ओवरएज होने की स्थिति में पहुंच गए हैं।

अभ्यर्थियों ने यह भी बताया कि 2023 में पहली बार पात्रता परीक्षा के बाद मुख्य चयन परीक्षा आयोजित की गई थी। यानी उम्मीदवारों को दो स्तर की परीक्षाएं पास करनी पड़ीं। उनका दावा है कि 8720 विज्ञापित पदों में से केवल 5052 पद ही नए थे।

इधर, वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती 2025 के अभ्यर्थियों की भी नीलम पार्क में करीब 15 दिनों से धरना और भूख हड़ताल जारी है। उन्होंने शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन देकर वर्ग-2 में कम से कम 10 हजार और वर्ग-3 में 25 हजार पद बढ़ाने की मांग की।

3 हजार अतिरिक्त पद स्वीकृत करने की मांग- वर्ग-2 के अभ्यर्थियों ने विषय शिक्षक, खेल, संगीत, नृत्य, गायन और वादन समेत सभी विषयों में कम से कम 3 हजार अतिरिक्त पद स्वीकृत करने की मांग रखी है। वहीं, वर्ग-3 अभ्यर्थियों ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाकर 25 हजार करने और दूसरी काउंसलिंग शुरू करने की मांग की है।

इंस्टा फ्रेंड ने युवती से रेप किया

छात्र ने दिया वारदात को अंजाम, एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी इलाके में इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर छात्र ने युवती से रेप किया। आरोपी पिछले छह महीने से शादी का भरोसा दिलाकर युवती के साथ संबंध बना रहा था। अब युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने शनिवार को थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। थाने की दो टीमें उसकी तलाश कर रही हैं। थाना प्रभारी सुरेश मीणा के मुताबिक 28 वर्षीय युवती दैनिक वेतन भोगी है। मार्च माह में उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से छात्र से हुई थी। पहले दोनों के बीच दोस्ती हुई और मामला प्रेम प्रसंग तक पहुंच गया। इस दौरान आरोपी युवक शादी करने का झांसा देकर उसके साथ रेप करता रहा।

शादी से इनकार करने पर दर्ज कराई एफआईआर

कुछ दिन पहले आरोपी युवक ने शादी करने से इंकार कर दिया। युवती के नंबर को भी ब्लॉक कर दिया। तमाम प्रयासों के बाद भी उसने पीड़िता से बात नहीं की। उसकी हरकतों से परेशान होकर युवती थाने पहुंची और मामला दर्ज कराया। अभी तक आरोपी युवक की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

भोपाल, रविवार 06 सितंबर,2026

नशे में धुत ड्राइवर ने कंटेनर दौड़ाया

इंदौर। गुजरात से टायरों की खेप लेकर रायबरेली जा रहा एक कंटेनर चालक नशे में इतना धुत था कि उसने नो-एंट्री तोड़कर शहर के व्यस्त इलाके में वाहन दौड़ा दिया। पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने रफ्तार बढ़ा दी। रास्ते में एक एएसआई पर भी कंटेनर चढ़ाने की कोशिश की। करीब 3.7 किमी तक पीछा करने के बाद पुलिस ने अंतिम चौराहे पर बैरिकेडिंग कर कंटेनर को रोक लिया। चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ शराब के नशे में वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना शाम करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है। एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक संतोष कुमार कोल के अनुसार टायरों से भरा कंटेनर क्रमांक KA 01 AP 7946 सिरपुर तालाब की ओर से नो-एंट्री क्षेत्र में घुसा और चंदन नगर की तरफ बढ़ गया। यहां चेकिंग पॉइंट पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने पुलिस के संकेत की अनदेखी कर दी और कंटेनर को गंगवाल बस स्टैंड मार्ग की ओर दौड़ा दिया। पुलिस के मुताबिक चालक की पहचान सुनील कुमार (28), पिता रामप्रकाश नट, निवासी ग्राम बरियापुर, जिला जालौन, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

रिसोर्ट में पार्टी, संचालक पर केस

इंदौर। शिप्रा के डकाच्या क्षेत्र स्थित मामा बोका रिसोर्ट में फ्रेंडशिप डे पर आयोजित पार्टी में पुलिस ने छापा मारकर करीब 200 युवक-युवतियों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक मौके पर मौजूद युवक-युवतियां नशे की हालत में थे। हालांकि पुलिस ने पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया और रिसोर्ट संचालक विवेक पिता विष्णु पटेल, निवासी डकाच्या के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। एसपी ग्रामीण राजेंद्र वर्मा को रिसोर्ट में पार्टी आयोजित होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस का कहना है कि पार्टी में शराब परोसी जा रही थी और इसमें शामिल होने वाले युवक-युवतियों से बड़ी रकम ली जा रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि पार्टी के आयोजन के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस के अनुसार पार्टी के दौरान रिसोर्ट परिसर में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। जांच के दौरान अलग-अलग कमरों में युवक-युवतियों के ठहरने की जानकारी भी मिली। पुलिस ने रिसोर्ट का डिजिटल रजिस्टर जांचा तो कई लोगों की एंट्री में पूरे नाम दर्ज नहीं थे। कुछ लोगों के आधार कार्ड भी रिसोर्ट प्रबंधन ने जमा नहीं कराए थे। पुलिस ने इन व्यवस्थाओं को लेकर भी रिसोर्ट प्रबंधन से जानकारी ली।

ब्राउन शुगर का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

इंदौर। मंदसौर से इंदौर तक ब्राउन शुगर की सप्लाई करने वाले आरोपी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पिछले महीने नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ में सप्लायर का नाम सामने आया था। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। शनिवार को पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, 31 अगस्त 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम को पंचमुखी हनुमान मंदिर रोड, अरविंदो लवकुश चौराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति की सूचना मिली थी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और राहुल सौदागर को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसकी जींस की जेब से 18.89 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने इसकी कीमत करीब 1.80 लाख रुपए बताई है। राहुल से पूछताछ में पुलिस को ब्राउन शुगर की सप्लाई करने वाले व्यक्ति की जानकारी मिली। उसने बताया कि उसे यह नशीला पदार्थ मंदसौर निवासी अय्यूब कुरैशी से मिला था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने राहुल की निशानदेही पर अय्यूब के ठिकाने पर दबिश दी और उसे गिरफ्तार कर लिया।

हिसाब मांगा तो माता-पिता को पीटा

इंदौर। परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में माता-पिता के साथ बेटों द्वारा गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता मां की शिकायत पर दोनों बेटों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। जनता क्वार्टर, नंदानगर निवासी अर्चना गोमे (50) ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपने छोटे बेटे मोहित गोमे को एक गाड़ी दिलाई थी। जब उन्होंने मोहित से गाड़ी बेचने और उससे मिले पैसों का हिसाब मांगा तो वह भड़क गया। आरोप है कि मोहित ने मां और पिता के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान बड़ा बेटा निखिल गोमे भी मौके पर पहुंच गया और उसने भी माता-पिता के साथ गाली-गलौज की। दंपती ने दोनों को ऐसा करने से मना किया तो दोनों वहां से जाने लगे। आरोप है कि जाते समय दोनों बेटों ने माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

खेत में फंदे पर मिला 24 वर्षीय युवक

इंदौर। तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के ग्राम केलोद करताल में 24 वर्षीय युवक ने खेत में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान रोशन पिता मुकेश अजनारे (24), निवासी ठीकरी, बड़वानी के रूप में हुई है। वह माता-पिता के साथ खेत में चौकीदारी करता था। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची तेजाजी नगर पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मर्ग कायम किया। प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

सुबह प्रमोशन, 11 बजे पदभार और शाम 5 बजे रिटायर, 6 घंटे की सेवा

इंदौर। मध्य प्रदेश के सहकारिता विभाग में पदोन्नति और सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया से जुड़ा एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें अधिकारी ने पदोन्नति के बाद नए पद पर करीब छह घंटे ही काम किया और उसी दिन सेवानिवृत्त हो गए। बड़वानी में असिस्टेंट रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत सुरेश सांवले को शासन ने पदोन्नत कर ज्वाइंट रजिस्ट्रार बनाया था। उन्होंने 31 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे इंदौर पहुंचकर ज्वाइंट रजिस्ट्रार का पदभार संभाला और शाम 5 बजे सेवानिवृत्त हो गए। पदोन्नति के बाद ज्वाइंट रजिस्ट्रार के रूप में उनकी सरकारी सेवा का समय महज करीब छह घंटे रहा। इस अवधि में परिचय और औपचारिक बातचीत के अलावा कोई महत्वपूर्ण न्यायिक कार्य करने का अवसर नहीं मिला। हालांकि, पदोन्नति का लाभ उनकी सेवा संबंधी देयताओं में जुड़ गया। इसका असर सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले पेंशन और ग्रेच्युटी जैसे लाभों पर पड़ना तय माना जा रहा है। इसी वजह से यह मामला विभागीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है।

घंटों के प्रमोशन का असर उनकी पेंशन और ग्रेच्युटी पर भी पड़ेगा

27 जुलाई को आदेश

सुरेश सांवले के मुताबिक शासन ने उनकी पदोन्नति का आदेश 27 जुलाई को जारी किया था। इसके बाद 29 अगस्त को उनकी सेंधवा में मुख्यमंत्री जन अभियान के कार्यक्रम में ड्यूटी लगाई गई थी। उन्होंने वहां ड्यूटी पूरी की और शाम को कार्यमुक्त हुए। इसके बाद 30 अगस्त को बड़वानी से इंदौर आने की तैयारी की और 31 अगस्त को इंदौर पहुंचकर ज्वाइंट रजिस्ट्रार का पदभार ग्रहण किया।झ इंदौर में तत्कालीन ज्वाइंट रजिस्ट्रार डॉ मनोज जायसवाल ने उन्हें पद का प्रभार सौंपा। पदभार ग्रहण करने के कुछ ही घंटे बाद शाम 5 बजे सांवले की सेवानिवृत्ति हो गई। सांवले का कहना है कि न्यायिक क्षेत्र में इतने कम समय में कोई आदेश पारित करना संभव नहीं था। ऐसे में नए पद पर उनकी भूमिका मुख्य रूप से पदभार ग्रहण करने और अधिकारियों-कर्मचारियों से परिचय तक सीमित रही।

पदोन्नति-सेवानिवृत्ति पर बहस

सुरेश सांवले की पदोन्नति के बाद उसी दिन सेवानिवृत्ति ने सहकारिता विभाग में पदोन्नति, पदस्थापना, अतिरिक्त प्रभार और सेवानिवृत्ति की मौजूदा व्यवस्था पर बहस छेड़ दी है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब किसी अधिकारी की सेवानिवृत्ति कुछ ही घंटे बाद होनी हो, तो पदोन्नति और नई पदस्थापना की प्रक्रिया किस तरह तय की जाती है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का कहना है कि पदोन्नति शासन के आदेश के अनुसार हुई और उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत नए पद का पदभार ग्रहण किया। लेकिन पदोन्नति के बाद महज छह घंटे की सेवा और उसके साथ जुड़े पेंशन व ग्रेच्युटी लाभ ने इस मामले को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया से अलग चर्चा में ला दिया है।

पुराने आदेशों की अपील से पेंच

इस पूरे घटनाक्रम में एक दूसरा पहलू भी चर्चा में है। डॉ. मनोज जायसवाल पहले डिप्टी रजिस्ट्रार (न्यायिक) के पद पर रह चुके हैं। उनके कार्यकाल में पारित किए गए न्यायिक आदेशों के खिलाफ यदि अपील अब ज्वाइंट रजिस्ट्रार (न्यायिक) के समक्ष आती है, तो उसकी सुनवाई को लेकर सवाल खड़े हो सकते हैं। वजह यह है कि संबंधित अधिकारी पहले उन मामलों में आदेश पारित करने वाले पद पर रह चुके हैं। ऐसे मामलों में हितों के टकराव और निष्पक्ष सुनवाई का सवाल महत्वपूर्ण हो जाता है। यही कारण है कि विभाग में इस घटनाक्रम को केवल पदोन्नति और सेवानिवृत्ति के संयोग के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि पदस्थापना और न्यायिक जिम्मेदारियों से जुड़े पहलुओं पर भी चर्चा हो रही है।

मुख्यमंत्री के परिचित का मोबाइल लूटा, थाने में नहीं लिखी गई रिपोर्ट

इंदौर। शहर में मोबाइल लूट की एक वारदात के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। मामला मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के परिचित अनमोल वर्मा से जुड़ा है। 31 अगस्त की रात करीब 10 बजे बाइक सवार बदमाश उनका महंगा मोबाइल छीनकर भाग गए। उज्जैन निवासी अनमोल वर्मा पलासिया थाने पहुंचे और शिकायत की, लेकिन पुलिस ने उस समय एफआईआर दर्ज करने के बजाय केवल आवेदन ले लिया। अगले दिन 1 सितंबर को मामला उज्जैन स्थित मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचा। वहां से इंदौर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री निवास से सूचना मिलने के बाद पुलिस कमिश्नर और डीसीपी सक्रिय हुए। इसके बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की और लुटेरों तथा मोबाइल की तलाश शुरू कर दी। आरोपियों को पकड़ने के लिए इंदौर के कई थानों की पुलिस टीमों को लगाया गया है।

पल्सर बाइक पर सवार - पुलिस के मुताबिक अनमोल वर्मा निजी काम से इंदौर आए थे। 31 अगस्त की रात इंद्रदेव महादेव मंदिर क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया और मोबाइल छीनकर फरार हो गए। बदमाश पल्सर बाइक पर सवार बताए गए हैं। इसी इलाके में उसी रात मोबाइल लूट की एक और घटना सामने आई थी। एक होटल कर्मचारी से भी बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया था। दोनों घटनाओं के समय और स्थान को देखते हुए पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों वारदातों के पीछे एक ही गिरोह था या अलग-अलग बदमाशों ने घटनाओं को अंजाम दिया।

सीएम हाउस से फोन पहुंचते ही पुलिस तलाश में जुटी

बदमाशों की पहचान की कोशिश- पुलिस को वारदात से जुड़े सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान करने के साथ उनके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस की टीमें तकनीकी सुरागों के आधार पर भी जांच आगे बढ़ा रही हैं। फिलहाल बायपास क्षेत्र में भी बदमाशों की तलाश की जा रही है। एसीपी नीति दंडोतिया पूरे मामले की जांच पर नजर रख रही हैं। पुलिस दोनों मोबाइल लूट की घटनाओं को जोड़कर भी पड़ताल कर रही है। जांच का मुख्य बिंदु यह है कि क्या एक ही बाइक सवार गिरोह ने दोनों वारदातों को अंजाम दिया था।

रिपोर्ट नहीं लिखने पर सवाल- इस मामले में शुरुआती स्तर पर पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े हुए हैं। शिकायतकर्ता वारदात के तुरंत बाद थाने पहुंचा था, लेकिन उस समय एफआईआर दर्ज नहीं की गई। वरिष्ठ अधिकारियों तक मामला पहुंचने के बाद रिपोर्ट दर्ज हुई और पुलिस की कई टीमें तलाश में लगा दी गईं।

6 सितंबर को शहर की सफाई की व्यवस्था संभालेंगे शहर के निवासी

सफाई मित्रों की छुट्टी के दिन नागरिक देंगे स्वच्छता का संदेश

इंदौर। गोगा नवमी के अगले दिन 6 सितंबर को इंदौर में सफाई मित्रों के सम्मान में शहरवासी खुद झाड़ू उठाएंगे। नगर निगम की ओर से इस दिन 'हम भी स्वच्छाग्रही' महा जनभागीदारी अभियान आयोजित किया जा रहा है। गोगा नवमी के कारण सफाई मित्र अवकाश पर रहेंगे, इसलिए शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिक और विभिन्न संस्थाओं के सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई की जिम्मेदारी संभालेंगे। अभियान की शुरुआत सुबह 7 बजे राजवाड़ा से होगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव यहां अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद शहर के अलग-अलग वार्ड और जोनों में सफाई अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ रहवासी और सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी इसमें हिस्सा लेंगे। नगर निगम की ओर से अभियान के लिए जरूरी सफाई संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

भागीदारी की अपील की गई - महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहरवासियों से अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उनका कहना है कि सफाई मित्र पूरे साल धूप, बारिश और मौसम की दूसरी परिस्थितियों की परवाह किए बिना शहर को साफ रखने में जुटे रहते हैं। जिस दिन उन्हें अवकाश मिला है, उस दिन उनके सम्मान में नागरिकों को भी सफाई की जिम्मेदारी संभालनी चाहिए। निगम अधिकारियों के मुताबिक अभियान का मकसद केवल एक दिन शहर की सफाई करना नहीं है। इसके जरिए नागरिकों में यह भावना मजबूत करना भी है कि स्वच्छता किसी एक विभाग या कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शहर के प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

वार्ड-जोन में भी जुटेंगे नागरिक- 'हम भी स्वच्छाग्रही' अभियान राजवाड़ा तक सीमित नहीं रहेगा। शहर के अलग-अलग वार्ड और जोन में स्थानीय स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। रहवासी संगठन, सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं, बाजार संघ तथा अन्य संगठन अपने क्षेत्रों में सफाई कार्य में भाग लेंगे। अभियान में विधायक और पार्षदों के साथ बैंकिंग संस्थाओं, लायंस क्लब, एनएसएस, एनसीसी, बीएसएफ, 15वीं बटालियन और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इस दौरान निगम के अधिकारी और कर्मचारी भी व्यवस्था में सहयोग करेंगे। नगर निगम ने अभियान को सफाई मित्रों के सम्मान से जोड़ा है। साल भर शहर की स्वच्छता में जुटे रहने वाले कर्मचारियों की छुट्टी के दिन नागरिकों का खुद सफाई के लिए आगे आना उनके प्रति सम्मान जताने का एक तरीका माना जा रहा है।

इंदौर के पूर्व एडीएम बीबीएस तोमर का निधन, 66 वर्ष की उम्र में निधन

किडनी की बीमारी के बाद ब्रेन हेमरेज, 2022 में हुए रिटायर

इंदौर। इंदौर के पूर्व अपर जिला कलेक्टर बीबीएस तोमर का शुक्रवार शाम 66 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे करीब 2 महीने से गंभीर बीमारी के चलते शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। किडनी संबंधी परेशानी के दौरान उन्हें ब्रेन हेमरेज भी हुआ था। उपचार के दौरान शुक्रवार शाम उनकी मौत हो गई। बीबीएस तोमर का इंदौर कलेक्ट्रेट में लंबा प्रशासनिक कार्यकाल रहा। उन्होंने सहायक भू-अधीक्षक से प्रशासनिक सेवा की शुरुआत करते हुए अपर कलेक्टर तक की जिम्मेदारियां संभालीं। वर्ष 2022 में वे शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। तोमर को इंदौर में प्रशासनिक जिम्मेदारियों के साथ प्रोटोकॉल व्यवस्था संभालने के लिए जाना जाता था। शहर में होने वाले वीआईपी और वीवीआईपी दौरों के दौरान उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाती थीं। अतिथियों की आवाजाही से लेकर प्रशासनिक समन्वय तक की व्यवस्थाओं में उनकी भूमिका रहती थी। इंदौर में आयोजित प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे बड़े आयोजनों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली थीं। बड़े कार्यक्रमों के दौरान व्यवस्थाओं को समय पर पूरा कराने और मौके की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लेने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। प्रशासनिक अधिकारियों के बीच तोमर की पहचान ऐसे अधिकारी के रूप में रही, जिन्हें बड़े आयोजन और महत्वपूर्ण दौरे सौंपे जाते थे। प्रोटोकॉल से जुड़े कार्यों में उनकी पकड़ और तत्काल निर्णय लेने की क्षमता के चलते उन्हें कई अहम जिम्मेदारियां मिलीं। बड़े आयोजनों में आने वाले अतिथियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाए रखना भी उनकी जिम्मेदारियों का हिस्सा रहा। प्रशासनिक कामकाज में उनके व्यवहार और कार्यशैली की चर्चा सहयोगी अधिकारियों के बीच रही।

नौकरी का झांसा देकर महिला का शोषण, लैब टेक्नीशियन गिरफ्तार

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म केस दर्ज किया

इंदौर। नौकरी दिलाने का झांसा देकर महिला का शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। तुकोगंज थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आरोपी देवेंद्र वर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से राजगढ़ का रहने वाला है और इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत बताया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला से पहले से परिचित था। इसी पहचान का फायदा उठाकर उसने महिला को नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। आरोप है कि नौकरी लगवाने का झांसा देकर आरोपी ने महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में भी उसका शोषण करता रहा। महिला ने जब मामले की शिकायत पुलिस से की तो तुकोगंज थाना पुलिस ने तत्काल प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

शिकायत पर पुलिस सक्रिय

पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी देवेंद्र वर्मा के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले से जुड़े साक्ष्य जुटा रही है। साथ ही घटनाक्रम में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका अथवा महिला को नौकरी दिलाने के नाम पर किए गए किसी अन्य छलावे की भी जांच की जा रही है।

पुलिस जांच जारी

आरोपी के सरकारी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के साथ घटनास्थल, संपर्क और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। आरोपी का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद उसे न्यायालय में पेश किए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि महिला की शिकायत पर तुकोगंज पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में वैधानिक जांच जारी है।

इंदौर में कोकीन नेटवर्क का मुंबई कनेक्शन महिला तस्कर से पकड़ा

मुंबई के नालासोपारा से नाइजीरियाई-युगांडा नागरिक गिरफ्तार

इंदौर। शहर में कोकीन की स्थानीय डिलीवरी से पहले पकड़ी गई नाइजीरियाई महिला से पूछताछ के बाद पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े दो विदेशी नागरिकों को मुंबई के नालासोपारा से गिरफ्तार किया है। दोनों में एक नाइजीरिया और दूसरा युगांडा का नागरिक है। पुलिस ने महिला के मोबाइल की तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पिछले रविवार को चंदन नगर पुलिस ने डिलीवरी से पहले एक नाइजीरियाई महिला को पकड़ा था। उसके कब्जे से करीब डेढ़ ग्राम कोकीन और मोबाइल फोन बरामद हुआ था। पूछताछ में महिला ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2024 में नाइजीरिया से भारत आई थी और बेंगलुरु में रहने लगी थी। बेंगलुरु पुलिस ने भी वर्ष 2024 में उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए 121 ग्राम कोकीन बरामद की थी। उसे जुलाई में जमानत मिली थी। इंदौर पुलिस ने महिला के मोबाइल में मिले संपर्कों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया तो मुंबई के नालासोपारा से जुड़े लोगों की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने वहां कार्रवाई कर युगांडा के नागरिक नतीजेबी और नाइजीरियाई नागरिक डेमियन को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी कोकीन की आपूर्ति में सहयोग करते थे। जांच में नालासोपारा में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की मौजूदगी और वहां से ड्रग नेटवर्क संचालित होने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अब आरोपियों के पासपोर्ट, मोबाइल संपर्क और स्थानीय कनेक्शन खंगाल रही है। साथ ही नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। प्रभारी डीसीपी जोन-4 नरेंद्र सिंह रावत के अनुसार, तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की पूछताछ की जा रही है।

दैनिक सद्भावना पाती
भोपाल, रविवार 06 सितंबर,2026

संपादकीय | बीसीआई ने छात्रों के भविष्य पर लगाया अपना फरमान

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो। गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए। उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित किया जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है। इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता

दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था। सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा? यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। यों भी, बीसीआइ सिर्फ उन्हीं को विनियमित कर सकती है, जो वकील के रूप में नामांकित हो चुके हों। कानून के छात्रों की किसी गतिविधि पर कोई आदेश जारी करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। मगर यह समझना मुश्किल है कि कानून के पेशे के दायरे में काम करने वाली किसी संस्था ने किस प्रावधान के तहत विद्यार्थियों के खिलाफ वह आदेश जारी कर दिया। यह बेवजह नहीं है कि बीसीआइ के उस फैसले के जारी होने की प्रक्रिया पर सवाल उठे और उसके मनमाने रवैये पर जवाबदेही तय करने की मांग की गई। दरअसल, यह एक तरह से बीसीआइ की ओर से अपने अधिकारों की सीमा का अतिक्रमण था और इसे विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति को दबाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा सकता है।

सड़कों पर अतिक्रमण से बढ़ रहा हादसों का खतरा

देश भर में यह देखने को मिलता है कि बाजारों, कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय क्षेत्रों में लोग अक्सर अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय सड़क पर खड़े कर देते हैं। देश में सड़कों पर अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बन गई है। कहीं सड़क किनारे अवैध तरीके से मकानों का विस्तार कर दिया जाता है, फुटपाथ पर दुकानें खड़ी कर दी जाती हैं, तो कहीं वाहनों को बेतरतीब ढंग से सड़क पर खड़ा कर दिया जाता है। खासकर वाहनों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी के साथ ही सड़कों का एक बड़ा हिस्सा अवैध पार्किंग, सामान लादने-उतारने और अन्य अस्थायी उपयोगों में घिरता जा रहा है। परिणामस्वरूप सड़कों का दायरा सिकुड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक पर यही स्थिति देखने को मिलती है। यह सड़क परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की लापरवाही का ही नतीजा है कि अतिक्रमण की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को इस पर चिंता जताते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से पूछा कि वह समस्या से निपटने के लिए कैमरा निगरानी प्रणाली और टोल प्लाजा पर निगरानी कक्ष क्यों नहीं स्थापित कर सकता? देश भर में यह देखने को मिलता है कि बाजारों, कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय क्षेत्रों में लोग अक्सर अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय सड़क पर खड़े कर देते हैं। कई स्थानों पर दोपहिया और चारपहिया वाहन फुटपाथ तक घेर लेते हैं, जिससे पैदल यात्रियों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं की कमी इस समस्या को और जटिल बना देती है। मगर सवाल है कि ऐसे मामलों में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संभालने वाली यातायात पुलिस की जवाबदेही तय क्यों नहीं की जाती है? गलत जगह वाहन खड़ा करने पर नियमित और निष्पक्ष कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? ऐसे स्थानों को चिह्नित कर वहां कैमरा प्रणाली से निगरानी क्यों नहीं की जाती? इसमें दोराय नहीं कि यदि व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दुरुस्त करने में गंभीरता दिखाई जाए और नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तो सड़कों को निश्चित रूप से सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकता है।

आज का कार्टून

तबाही रोकने के लिए नए सिरे से सोचना होगा

बाढ़, भूस्खलन और अतिवृष्टि के कारण मकानों-मवेशियों और फसलों के नष्ट होने से लोगों पर ऐसी मुसीबत आती है कि प्रभावित क्षेत्रों में कुछ भी दिखाई नहीं देता है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी हर स्तर पर बढ़ जाती है। मसलन, किसान की एक गाय या भैंस केवल एक पशु नहीं होती, यह बच्चों के लिए दूध-भोजन, शिक्षा और परिवार के लिए नियमित आय का आधार होती है। इसी तरह फसल का नुकसान केवल एक मौसम की आय का नुकसान नहीं है, किसान की अगली फसल के लिए बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी, पानी के लिए पूंजी का आधार भी है।

अखिलेश आर्येंदु

नेपाल की आपदा से इतर भारत में बाढ़ इस साल भी असम, केरल, हिमाचल, ओडिशा और जम्मू-कश्मीर आदि जगहों पर आफत बन कर आई। अब तक जो आकलन किया गया है, उसके मुताबिक सैकड़ों लोगों की जान गई है। हजारों की संख्या में मवेशी मारे गए हैं। लाखों हेक्टेयर फसल बर्बाद हुई है। लाखों परिवार प्रभावित हुए हैं। वहीं, सैकड़ों सड़कें, पुल, मकान और बाग-बगीचे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। अब प्रशासन के सामने बाढ़, भूस्खलन और अतिवृष्टि की वजह से हुई बर्बादी के बाद अलग-अलग स्तर की कई चुनौतियां सामने हैं। सबसे ज्यादा चुनौतियां असम में दिख रही हैं। वहां राहत के बाद पुनर्वास एक बड़ा संकट है। पीड़ित परिवारों को भुखमरी से बचाना जरूरी है। स्कूल छोड़ने वाले छात्र-छात्राओं की शिक्षा नियमित करना भी बड़ी चुनौती है।

दरअसल, बाढ़ के बाद असली परीक्षा राज्य सरकारों, आपदा प्रबंधन विभाग और बाढ़ पीड़ितों की होती है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रभावित नागरिकों, खासकर जिनके मकान और खेत-खलिहान पूरी तरह नष्ट हो गए होते हैं, उनके लिए स्थायी पुनर्वास और भुखमरी से बचाने की होती है। असम, ओडिशा, केरल, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में हजारों गिरे मकानों को फिर से बना कर लोगों के लिए तत्काल भोजन, पानी-बिजली और अन्य जरूरी चीजों की बेहतर व्यवस्था करना सरकार के लिए किसी कड़ी परीक्षा से कम नहीं है।

केंद्र और राज्य सरकारें आपदा राहत के लिए मुख्यतः राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की मदद लेती हैं, लेकिन इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राहत का काम अपेक्षाकृत तेजी से कैसे हो, जबकि स्थायी पुनर्वास में क्षति का सर्वेक्षण, पात्र परिवारों की पहचान, मुआवजा, बुनियादी ढांचे की पुनर्बहाली में समय अधिक लगने से परिवारों को भुखमरी और दूसरी समस्याओं को कम समय में उचित समाधान करने की चुनौती बनी रहती है। इसलिए बेहतर बाढ़ प्रबंधन नए दौर की जरूरत है।

इस बार मानसून ने असम से लेकर हिमाचल प्रदेश, केरल और ओडिशा जैसे सबसे ज्यादा बाढ़ प्रभावित राज्यों तक यह सवाल फिर सामने रखा है कि क्या हम हर साल बाढ़ आने पर राहत शिविर और मुआवजा देने तक सीमित रहेंगे या ऐसी कोई व्यवस्था बनाएंगे जिसमें बाढ़ के बाद प्रभावित परिवारों को स्थायी रूप से सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाया जा सके। सवाल यह भी है कि स्थायी पुनर्वास और आत्मनिर्भर बनाने वाली नीति को पारदर्शी तरीके से लागू करना और उस पर अमल करवाना क्या संभव है? यह सवाल इसलिए उठा है कि पिछले वर्षों में बाढ़ प्रभावित लोग महीनों तक दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर हुए थे। इस साल भी हजारों परिवारों के सामने पुनर्वास की विकट समस्या है। इसके अलावा, सड़क, बिजली, पेयजल, सिंचाई, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी परिसंपत्तियों की पुनर्बहाली जैसी समस्याएं हैं, जिन्हें हल करना बेहद जरूरी है। बाढ़ पीड़ितों के लिए स्थायी पुनर्वास और भविष्य में बाढ़ से जोखिम कम करने की चुनौती राज्य सरकारों के सामने होती है, लेकिन हर साल ये समस्याएं उसी रूप में बनी रहती हैं। इसलिए अतिवृष्टि और बाढ़ आने पर लोगों पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ता है। ऐसे में जरूरी है कि ऐसा बाढ़ नियंत्रण ढांचा तैयार किया जाए, जिससे विकट बाढ़ और बरसात में लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े, जैसे जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों में देखने में आता है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, असम में इस साल बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा जान-माल और बुनियादी ढांचे का नुकसान हुआ है। इस साल अब तक सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 10,748.64 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न हो चुका है। 47,000 से अधिक मवेशी बाढ़ में बह गए या भूख से मर गए। असम सरकार के मुताबिक, इस साल 12 अगस्त तक बाढ़ और अतिवृष्टि की वजह से 150 करोड़ का नुकसान हुआ है। सरकार का अनुमान है कि इस साल बाढ़ के बाद राहत और पुनर्वास में एक हजार करोड़ से अधिक खर्च हो सकता है। राज्य सरकार के मुताबिक, यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि असम को इस साल अतिवृष्टि और बाढ़ से कितना नुकसान हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में असम से अलग तरह की समस्या है। यहां अचानक आई बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और पहाड़ी ढलानों के टूटने से तबाही मची। तीस जून से 11 अगस्त तक हुए नुकसान के जो आंकड़े राज्य प्रशासन ने उपलब्ध कराए हैं, उसके मुताबिक 70 से अधिक लोगों की मौत हुई है। सार्वजनिक संपत्ति में करीब 910.35 करोड़ का नुकसान हुआ। यहां भी अचानक बादल फटने से ढह गए मकानों को फिर से बनवाना एक बड़ी चुनौती होती है, क्योंकि पहाड़ी इलाका होने की वजह से पुनर्वास सहज नहीं होता है।

ओडिशा में बाढ़ और अतिवृष्टि के कारण हर साल की तरह इस साल भी जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। 22 जिलों में 1,458 गांवों और 85 प्रखंडों में 8,63,909 मकानों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने 110 करोड़ की शुरुआती बाढ़ राहत की घोषणा की। यहां फसलों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। इसी तरह केरल में बाढ़, भारी बरसात और भूस्खलन से जान-माल का काफी नुकसान हुआ। ऐसे में राहत के बाद स्थायी पुनर्वास और प्रभावित लोगों को हर तरह की मदद की दरकार है। यहां हर साल बाढ़ और अतिवृष्टि से काफी जान-माल का नुकसान होता है, लेकिन पुनर्वास की समस्या यहां भी है। इस पर राज्य सरकार को गौर करने की जरूरत है।

बाढ़, भूस्खलन और अतिवृष्टि के कारण मकानों-मवेशियों और फसलों के नष्ट होने से लोगों पर ऐसी मुसीबत आती है कि प्रभावित क्षेत्रों में कुछ भी दिखाई नहीं देता है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी हर स्तर पर बढ़ जाती है। मसलन, किसान की एक गाय या भैंस केवल एक पशु नहीं होती, यह बच्चों के लिए दूध-भोजन, शिक्षा और परिवार के लिए नियमित आय का आधार होती है। इसी तरह फसल का नुकसान केवल एक मौसम की आय का नुकसान नहीं है, किसान की अगली फसल के लिए बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी, पानी के लिए पूंजी का आधार भी है।

आपदा प्रबंधन का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कितने लोगों को बचाया गया या कितने राहत शिविर लगाए गए। समग्रता से हर स्तर, हर क्षेत्र और हर व्यक्ति के नुकसान का मूल्यांकन होना चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि असम में राहत और स्थायी पुनर्वास के लिए पूरे दम-खम और ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम किया जाएगा। बाढ़ का पानी उतरने के बाद राहत के कार्य तेजी से करने की बेहद जरूरत है। यह तभी संभव है जब बाढ़ प्रभावित राज्यों के अधिकारी पूरी संवेदना और ईमानदारी के साथ राहत कार्यों की निगरानी करें।

चींटी से मिली जिंदगी की बड़ी सीख

सयाने समझाते आए हैं कि जो हमारे पास है, उसका भरपूर आनंद लिया जाए, अपने रिश्तों को सहेजा जाए, उनसे प्यार किया जाए। जीवन कुदरत की छोटी-छोटी नियामतों को निहारने और स्पर्श करने और आनंदित होने के लिए है, न कि पद तथा शक्ति की अंधदौड़ में अनजाने में जीवन आनंद को खोने के लिए है। आने वाले दिनों की चिंता छोड़कर वर्तमान को खुल कर जीना चाहिए। इसे खेल की तरह खेल लेना चाहिए, हां, इसमें भटक नहीं जाना चाहिए और न ही इसे अति गंभीरता से लेना चाहिए। ओशो कहते हैं, 'जीत और हार मायने नहीं रखती। मायने यह रखता है कि इंसान ने जीवन को सचमुच गहराई से जिया, या उसे केवल काट लिया।'

अमिताभ स. के

'किनारे पर चुपचाप खड़े रहने से बेहतर है, अपने लिए एक नई दुनिया की राह ढूंढ़ते हुए, दस बार लहरों में डूबकर मर जाना।' यह आधुनिक नर्सिंग आंदोलन की अगुआई करने वाली 'लेडी विद द लैंप' फ्लोरेंस नाइटिंगेल का विचार है। इसे यों समझा जा सकता है कि जीवन में आगे बढ़ना चाहते हो, तो बहरे बन जाओ, क्योंकि आसपास के ज्यादातर लोगों की बातें और सुझाव मनोबल गिराने वाले होते हैं। इसलिए हमेशा अपने अंदर की आवाज को सुनो।

वहीं से प्रगति का मार्ग शुरू होता है। और फिर, हर किसी में अनंत संभावनाएं हैं। जो आज इतिहास हो गए हैं, वे भी कभी इसी संभावना के अंश रह चुके हैं। बेशक तमाम कोशिशों के बावजूद हार मिले, लेकिन जुटने और जूझने से मुंह न फेरना जरूरी है। इसलिए जीवन को एक विराट खेल की तरह जीना चाहिए। फर्क नहीं पड़ता कि कोई हारे, या कोई जीते। क्योंकि बिना एक के हारे दूसरे की जीत मुमकिन नहीं है।

कभी फुरसत मिलने पर नन्ही-सी चींटी को टकटकी लगा कर गौर से देखना चाहिए। चींटी अपने से कई गुना बड़ा पत्ता घसीटते इधर से उधर जाती दिख जाएगी। उसे अपने सफर में तमाम रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वह रुकेगी, रास्ता बदलेगी, फिर अपनी मंजिल की ओर बढ़ जाएगी। अगर उसके रास्ते जमीन पर कोई दरार आ गई, तो वह क्षण भर रुक जाएगी।

परिस्थिति का भली-भांति जायजा लेगी, फिर पत्ते को दरार के ऊपर टिका देगी। और खुद धीरे-धीरे पत्ते के ऊपर से गुजर जाएगी। दूसरी तरफ पहुंच कर फिर से पत्ता घसीटने लगेगी, और अपना सफर जारी रखेगी। चींटियां रोज-रोज और बार-बार जाहिर करती हैं कि दरारें कभी बड़ी नहीं होतीं, उन्हें पाटने वाले बड़े होते हैं। निहायत छोटे जीव की इतनी बड़ी कोशिश सृष्टि के चमत्कार पर चिंतन करने के लिए विवश कर देती है। नन्हे से नन्हा प्राणी भी विश्लेषण, चिंतन और तर्क खोज कर, आने वाली चुनौतियों पर विजय पाने और प्रश्नों के हल की तरकीब खोजने के लिए कितना सक्षम है, लेकिन यहीं अंतिम पड़ाव पर आकर चींटी की कमजोरी उजागर हो जाती है। चींटी उस बड़े पत्ते को, रास्ते की कड़ी मेहनत-मशक्कत और कार्यकुशलता से अपने गंतव्य यानी बारीक छेद तक तो ले गई, लेकिन उसे छेद के अंदर घुसाने में असमर्थ रह जाती है। कोई रास्ता न सूझता, तो बेचारी पत्ते को वहीं छोड़ कर, खाली हाथ अपने घर में घुस जाती है। सच है कि चींटी ने अपनी यात्रा शुरू करने से पहले नतीजे के बारे में नहीं सोचा होगा। वरना वह पहले बिंदु से ही ऐसा न करती। बेशक पत्ता उसके लिए पूरे सफर का सिर्फ बोझ बन कर रह गया। यही जीवन की बड़ी सीख है- जिंदगी का हर मुकाम इंसान की मर्जी का नहीं होता- कभी वक्त रास्ता चुनता है, तो कभी हालात मंजिल बदल देते हैं। कहा भी जाता है कि जिंदगी की परीक्षा सबसे ज्यादा वफादार होती है, क्योंकि इसका प्रश्नपत्र कभी लीक नहीं होता। हर इंसान अपने घर-परिवार और नौकरी-कारोबार की फिक्र में हरदम डूबा रहता है। इसी उधेड़बुन में कि कहां रहना है, कौन-सी गाड़ी खरीदनी है, कैसे कपड़े पहनने हैं, कौन-से गैजेट नए लेने हैं या उन्हें अद्यतन कराना है!

उसके अंतिम पड़ाव पर पहुंचते-पहुंचते तमाम सांसारिक चीजें छूट जाती हैं, या छोड़नी पड़ जाती हैं। जानते-बूझते भी सफर में ढोते-ढोते अहसास ही नहीं रहता और अनजान बने रहते हैं। इसलिए सभी तमाम बोझ ताउम्र ढोते रहते हैं। अंतिम वक्त पर ही जान पाते हैं कि तमाम तामझाम को साथ ले जा नहीं सकते और बेकार में ढोते रहे हैं। जब होश आता है, तब तक इन्हें ढोते-ढोते सारी उम्र निकल चुकी होती है।

सयाने समझाते आए हैं कि जो हमारे पास है, उसका भरपूर आनंद लिया जाए, अपने रिश्तों को सहेजा जाए, उनसे प्यार किया जाए। जीवन कुदरत की छोटी-छोटी नियामतों को निहारने और स्पर्श करने और आनंदित होने के लिए है, न कि पद तथा शक्ति की अंधदौड़ में अनजाने में जीवन आनंद को खोने के लिए है। आने वाले दिनों की चिंता छोड़कर वर्तमान को खुल कर जीना चाहिए। इसे खेल की तरह खेल लेना चाहिए, हां, इसमें भटक नहीं जाना चाहिए और न ही इसे अति गंभीरता से लेना चाहिए। ओशो कहते हैं, 'जीत और हार मायने नहीं रखती। मायने यह रखता है कि इंसान ने जीवन को सचमुच गहराई से जिया, या उसे केवल काट लिया।'

जब तक इंसान को कहीं पहुंचने का राग है, जब तक कुछ पाने का राग है, तब तक मन अचंचल नहीं हो सकता, चंचल रहेगा। इसमें मन का क्या कसूर है? हम राग कर रहे हैं, मन दौड़ रहा है। विचारक जोनाथन मार्टेसन के शब्द हैं कि 'भावनाएं लहरों की तरह होती हैं। आप उन्हें आने से रोक नहीं सकते, लेकिन आप यह चुन सकते हैं कि किन लहरों की सवारी करनी है।' दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि जीवन एक चक्रव्यूह ही है। इस तथ्य को जानते-समझते अपनी ऊर्जा को खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग आनंद ढूंढ़ने में लगाया जाए। वरना जीवन आनंद छूट जाएगा, क्योंकि जीवन का अंत हो जाता है, चाहतों का नहीं।

RBI to Lock 7 Lakh Crore Excess Liquidity

Mumbai (Agency): The Reserve Bank of India (RBI) is stepping up efforts to absorb surplus liquidity from the banking system as excess cash reaches record levels following a surge in foreign-currency inflows from overseas Indians. The central bank will conduct a 30-day variable-rate reverse repo auction for Rs 7 lakh crore ($74.1 billion) on Monday, according to a statement issued by the RBI.

The move marks a shift toward a longer-duration liquidity absorption operation compared with recent auctions of up to 15 days. The longer tenor will allow the RBI to keep surplus funds out of the banking system for an extended period, helping it exert greater control over short-term money-market conditions. However, the reverse repo mechanism remains relatively less forceful than some other liquidity-management tools because banks can decide how much money they want to park with the central bank. India's banking system is currently facing an unprecedented liquidity surplus, with excess cash estimated at around Rs 10.5 lakh crore, according to a Bloomberg Economics measure.

The surplus has built up after the RBI converted large amounts of foreign currency raised by banks through deposits from overseas Indians into rupee liquidity. The RBI's initiative to attract foreign-currency deposits from the Indian diaspora proved highly successful, raising a record $127 billion before the scheme was closed a month ahead of schedule in August. Along with subsidised overseas borrowing by banks and state-owned companies, the measures brought in about $136.4 billion into the financial system. While the inflows strengthened India's external financing position, they also created a significant liquidity-management challenge for the central bank.

The RBI now has to withdraw the additional rupee liquidity without disrupting financial markets, particularly as policymakers remain increasingly focused on containing inflation. The impact of the surplus liquidity is already visible in money-market rates. The weighted average call rate, which reflects the overnight rate at which banks lend to one another and serves as a key indicator of monetary conditions, has fallen below the RBI's policy rate as abundant cash pushes borrowing costs lower.

ECLGS 5.0 Issues Guarantees Worth Over ?2.5 Lakh Crore

New Delhi (Agency): Emergency Credit Line Guarantee Scheme (ECLGS) 5.0 has issued 6,73,979 guarantees covering a guaranteed amount of Rs 2,50,024 crore, an official factsheet said on Saturday. Micro, small and medium enterprises (MSME) accounted for 97.3 per cent of guarantees by number and 80.79 per cent of the total value. Emergency Credit Line Guarantee Scheme 5.0, implemented by the National Credit Guarantee Trustee Company, provides targeted credit guarantees to Member Lending Institutions to extend additional working capital to eligible borrowers affected by external disruptions. It supports MSMEs, eligible non-MSME businesses and scheduled passenger airlines through government-backed guarantees.

The scheme aims to facilitate an additional credit flow of up to Rs 2.55 lakh crore. Borrowers must satisfy the eligibility conditions prescribed by NCGTC, including account status and other applicable lending norms. Credit assistance is provided through Scheduled Commercial Banks, Scheduled Urban Co-operative Banks, Financial Institutions and eligible Non-Banking Financial Companies. ECLGS 5.0 is operational until March 31, 2027, or until guarantees amounting to Rs 2.55 lakh crore are issued, whichever is earlier.

Cohance Lifescience Gets USFDA Form 483 at Telangana Plant

New Delhi (Agency): Cohance Lifescience on Saturday said it has received a US Food and Drug Administration (USFDA) Form 483 containing four observations following an inspection of its formulation facility in Shamshabad, Telangana. In an exchange filing, the company said the USFDA inspection was conducted from August 27 to September 4, 2026, at its finished dosage form (FDF) manufacturing plant. The inspection concluded with the issuance of a Form FDA 483 with four observations. Cohance Lifescience said it has initiated appropriate corrective and preventive actions (CAPA) and will submit its response to the US regulator within the stipulated timeline.

The company did not disclose details of the observations. It said it remains committed to maintaining high standards of quality and ensuring regulatory compliance. A USFDA Form 483 is issued by agency inspectors when they identify conditions or practices during an inspection that may potentially violate applicable regulatory requirements. The issuance of the form does not by itself represent a final determination of non-compliance, with the company generally given an opportunity to respond and address the observations. The regulatory development comes at a time when Cohance is expanding its presence in advanced therapies, particularly antibody-drug conjugates (ADCs), which are increasingly being used as targeted cancer treatments.

The company recently announced plans to invest a combined $18 million in New Jersey-based NJ Bio and Aruka Bio as part of its strategy to strengthen its position in the ADC segment.

Corporate Mitra Simplifies MSME Compliance

New Delhi (Agency): The 'Corporate Mitra' initiative seeks to make compliance less intimidating and knowledge more accessible for entrepreneurs, according to the government. Anita Shah Akela, Joint Secretary, Ministry of Corporate Affairs, emphasised that the initiative is aimed at transforming compliance from a burden into an enabler of trust, transparency, accountability and orderly growth.

The 'Corporate Mitra' initiative was announced by the government in the Union Budget 2026-27 with the objective of creating a pool of trained and certified paraprofessionals who can support Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs) in managing business and regulatory compliances. The programme brings together the professional expertise of ICAI, ICSI and ICoAI with the technology and academic support from IIT Madras, IIT Madras Pravartak and SWAYAM Plus.

The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Institute of Company Secretaries of India (ICSI) and the Institute of Cost Accountants of India (ICoAI) has commenced the Corporate Mitra Course, with 2,879 learners registered in the first batch. The launch of the Corporate Mitra Learning Management System (LMS) marks the beginning of the structured learning and capability-development phase of the programme, according to the Ministry of Corporate Affairs.

The course aims to create a skilled cadre of certified paraprofessionals to provide affordable professional support to Micro, Small and Medium Enterprises (MSMEs), thereby promoting ease of doing business, employment generation and inclusive economic growth. It marks an important step towards developing a skilled pool of paraprofessionals who can contribute to the growth and formalisation of India's MSME ecosystem. The 'Corporate Mitra' course has a total duration of 12 months, divided into two stages. The first six months comprise approximately 150 hours of structured academic learning, delivered through recorded video lectures. This is followed by six months of on-the-job training in professional firms of members of ICAI, ICSI and ICoAI, providing learners with hands-on workplace experience.

E-Way Bill Generation Rises 7.7% in August

New Delhi (Agency): E-way bill generation increased 7.7 per cent year-on-year to 139.08 million in August, marking the third-highest monthly level on record and pointing to continued momentum in goods movement and formal economic activity. An e-way bill is an electronically generated document required under the Goods and Services Tax (GST) regime for the movement of goods valued at more than Rs 50,000, subject to specified conditions and exemptions.

The number of e-way bills generated is widely viewed as an important indicator of economic activity, consumption and trade. The August figure was 9.95 million higher than the 129.13 million e-way bills generated during the same month last year. However, on a month-on-month basis, generation declined marginally by 0.51 per cent from 139.79 million in July. Despite the sequential dip, August remained among the strongest months for e-way bill generation. Only March, when 140.60 million e-way bills were generated, and July recorded higher monthly volumes.

The sustained elevated level of e-way bill generation indicates continued movement of goods across the country and strong participation by businesses in the formal economy. Higher e-way bill volumes generally reflect increased commercial activity and demand for goods and services. Saurabh Agarwal, tax partner at EY India, said the continued increase in e-way bill generation reflected sustained growth momentum in India's organised economy. "The consistent upward trend is a strong signal of underlying economic resilience, driven by improved compliance, formalisation of business activity, and steady consumption demand across sectors," Agarwal said.

The latest data also comes against the backdrop of resilient domestic consumption. Official figures released last week showed that private final consumption expenditure grew 7.1 per cent in the first quarter of FY27, supporting the broader assessment that domestic demand remains firm. While the pace of e-way bill growth has moderated compared with last year, the near-record monthly volumes suggest that goods movement and formal economic activity continue to remain robust.

ICICI Bank, Foreign Lenders Gain from FCNR(B) Deposit Surge

Mumbai (Agency): India's latest push to attract Foreign Currency Non-Resident (Bank), or FCNR(B), deposits has produced a clear set of winners, with banks that offered aggressive interest rates and effectively used their overseas balance sheets capturing a disproportionately large share of the inflows.

Brokerage reports from Macquarie, Jefferies, Motilal Oswal Financial Services (MOSL) and BofA Securities indicate that banks mobilised a significant portion of the $136.4 billion, or around Rs 12.96 lakh crore, that flowed into the FCNR(B) deposit scheme. The gains, however, were not determined by the size of a bank's domestic deposit franchise. ICICI Bank emerged as the standout among large private sector lenders. According to Macquarie, the bank mobilised $17.88 billion, or around Rs 1.70 lakh crore, in FCNR(B) deposits, translating into an estimated 18 per cent share of the market.

MOSL estimates ICICI Bank's share at about 14 per cent, which is still twice its normal deposit-market footprint. The bank's strong mobilisation was supported significantly by its international balance sheet. Macquarie estimates that more than 70 per cent of the mobilisation leverage came from the bank's own balance sheet, including nearly $9 billion in loans from its international branches and $3.6 billion in standby letters of credit issued to other banks. Smaller private lender RBL Bank also punched well above its weight. According to MOSL, the bank mobilised around $3.4 billion, or approximately Rs 32,000 crore, accounting for about 2.7 per cent of total FCNR(B) deposits. This was significantly higher than its normal deposit market share of around 0.5 per cent.

Foreign banks emerged as the biggest relative beneficiaries of the scheme.

Coal Ministry Rejects Reports on Gasification Scheme Applications

New Delhi (Agency): The Ministry of Coal on Saturday said reports that the Rs 37,500 crore Scheme for Promotion of Surface Coal or Lignite Gasification Projects has attracted no applications are premature and incorrect. The ministry said that Talcher Fertilisers Limited and NTPC Limited have already submitted their respective applications through the online portal. The ministry is also in communication with other prospective applicants who are at various stages of project preparation and application finalisation, an official statement said.

The first round deadline for submissions is September 7, 2026. Accordingly, the number of applications received in the first round cannot be assessed or stated conclusively until the application window closes, and hence the ministry warned that any assessment before that is inconclusive. Further, more applicants are at various stages of project preparation and that the scheme's rolling, multi round application design allows new entrants to apply in subsequent rounds that open the day after each window closes and remain open for two months.

Large scale and complexity of the projects envisaged under the Scheme, requires applicants to undertake substantial preparatory work, including preparation of Pre-Feasibility Reports, assessment of technology options, identification of coal/lignite and other feedstock arrangements, evaluation of project economics and preparation of detailed project proposals. Hence, additional applicants may finalise and submit their proposals as the deadline approaches, the statement noted.

The ministry remains confident of strong industry participation in the Scheme and that the scheme will catalyse investments of approximately Rs 2.5 lakh crore to Rs 3 lakh crore across nearly 25 projects and generate around 50,000 direct and indirect employment opportunities. The scheme will also contribute significantly towards the Government's broader objective of achieving 100 million tonnes of coal gasification capacity by 2030. The scheme for Promotion of Surface Coal/Lignite Gasification Projects was approved by the Union Cabinet on May 13, 2026 with a total financial outlay of Rs 37,500 crore. The scheme aims to accelerate the development of coal and lignite gasification in the country and promote the conversion of domestic coal and lignite into higher-value products, including syngas, methanol, ammonia and urea.

दिनभर खड़े रहने, अधिक चलने या लंबे समय तक एक ही जगह बैठने के बाद पैरों में हल्की सूजन आ जाना आम बात हो सकती है। कई बार गलत फिटिंग वाले जूते पहनने या अधिक नमक खाने की वजह से भी यह समस्या दिखाई देती है। लेकिन अगर पैरों या टखनों में बार-बार सूजन आती है, लंबे समय तक बनी रहती है या इसके साथ अन्य लक्षण भी महसूस होते हैं, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार होने वाली सूजन कई बार शरीर के अंदर मौजूद किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकती है। ऐसे में समय रहते कारण का पता लगाना और डॉक्टर से जांच कराना बेहद जरूरी है।

बार-बार पैरों में सूजन को न करें नज़रअंदाज़, इन बीमारियों का हो सकता है संकेत

क्या होती है एडिमा?

मेडिकल भाषा में पैरों की सूजन को एडिमा कहा जाता है। यह ऐसी स्थिति होती है, जब शरीर के ऊतकों में सामान्य से अधिक तरल पदार्थ जमा होने लगता है। आमतौर पर जब शरीर का रक्त संचार तंत्र या कोई महत्वपूर्ण अंग ठीक तरह से काम नहीं करता, तो अतिरिक्त तरल पदार्थ गुरुत्वाकर्षण के कारण पैरों और टखनों में इकट्ठा होने लगता है। यह केवल एक लक्षण है, बीमारी नहीं। इसलिए बार-बार एडिमा होना इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर के किसी अंग की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

हृदय रोग भी हो सकता है वजह

पैरों में लगातार सूजन आने का एक प्रमुख कारण हृदय से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। जब हृदय शरीर के विभिन्न हिस्सों तक पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं पहुंचा पाता, तो रक्त नसों में जमा होने लगता है। इससे पैरों और टखनों में सूजन दिखाई दे सकती है। अगर सूजन के साथ सांस लेने में तकलीफ, जल्दी थकान महसूस होना, सीने में दर्द या भारीपन जैसे लक्षण भी हों, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

लिवर की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

लिवर शरीर में एल्ब्यूमिन नामक एक महत्वपूर्ण प्रोटीन बनाता है, जो रक्त वाहिकाओं के भीतर तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है। जब लिवर सिरोसिस या किसी अन्य गंभीर बीमारी से प्रभावित होता है, तो एल्ब्यूमिन का स्तर कम होने लगता है। इससे तरल पदार्थ रक्त वाहिकाओं से बाहर निकलकर आसपास के ऊतकों में जमा होने लगता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यदि लंबे समय तक सूजन बनी रहे और इसके साथ पेट फूलना, त्वचा या आंखों का पीला पड़ना जैसे लक्षण भी हों, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

नसों में खून का थक्का भी हो सकता है कारण

कुछ मामलों में पैरों की सूजन का कारण डीप वेन थ्रोम्बोसिस भी हो सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें पैरों की गहरी नसों में खून का थक्का बन जाता है। यदि अचानक केवल एक पैर में तेज सूजन, दर्द, गर्माहट या लालिमा दिखाई दे, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह थक्का टूटकर फेफड़ों तक पहुंच सकता है, जिससे जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

किन लक्षणों के साथ तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए?

अगर पैरों की सूजन के साथ सांस फूलना, सीने में दर्द, पेशाब कम होना, केवल एक पैर में ज्यादा सूजन, तेज दर्द, त्वचा का लाल या गर्म होना, या सूजन लगातार कई दिनों तक बनी रहे, तो घरेलू उपायों पर निर्भर रहने की बजाय डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। समय पर जांच से बीमारी का सही कारण पता लगाया जा सकता है और इलाज शुरू होने से गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव हो सकता है।

कब नहीं करें लापरवाही?

हर बार पैरों की सूजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो रही है, लंबे समय तक बनी रहती है या अन्य असामान्य लक्षणों के साथ दिखाई देती है, तो इसे नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है। शरीर अक्सर शुरुआती लक्षणों के जरिए अंदरूनी समस्याओं का संकेत देता है। ऐसे में समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना ही सबसे सुरक्षित कदम है। यह लेख केवल सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या या लक्षण दिखाई देने पर स्वयं उपचार करने के बजाय योग्य चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

किडनी की खराब कार्यक्षमता भी बढ़ा सकती है सूजन

किडनी का मुख्य काम शरीर से अतिरिक्त पानी, नमक और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना होता है। यदि किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर रही हो, तो शरीर में पानी और सोडियम जमा होने लगता है। इसका असर सबसे पहले पैरों, टखनों और कई बार आंखों के नीचे सूजन के रूप में दिखाई देता है ।यदि पैरों की सूजन के साथ पेशाब की मात्रा में कमी, बार-बार पेशाब आना या पेशाब के रंग में बदलाव जैसे लक्षण महसूस हों, तो किडनी की जांच कराना जरूरी हो सकता है।

खाली पेट गर्म पानी पीने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, नहीं तो बढ़ सकती है परेशानी

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की सलाह लंबे समय से दी जाती रही है। माना जाता है कि इससे शरीर को हाइड्रेशन मिलता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और दिन की शुरुआत ताजगी के साथ होती है। कई लोग इसे अपनी डेली रूटीन का हिस्सा भी बना चुके हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि यह आदत हर व्यक्ति के लिए समान रूप से फायदेमंद साबित हो। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पानी का तापमान बहुत ज्यादा हो या किसी व्यक्ति को पहले से कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो, तो सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से फायदे की बजाय परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए किसी भी स्वास्थ्य सलाह को अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अपनाना अधिक उचित माना जाता है।

क्या सुबह गर्म पानी पीना हमेशा लाभदायक होता है?

गुनगुना पानी सामान्य तौर पर सुरक्षित माना जाता है और अधिकांश स्वस्थ लोगों के लिए यह लाभकारी हो सकता है। लेकिन बहुत अधिक गर्म पानी पीने से मुंह, गले और भोजन नली की अंदरूनी परत पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों में यह आदत लक्षणों को और बढ़ा सकती है। इसलिए पानी हमेशा इतना ही गर्म होना चाहिए कि उसे बिना किसी असहजता के आराम से पिया जा सके।

मुंह में छाले या गले में सूजन होने पर रखें विशेष ध्यान

यदि किसी व्यक्ति के मुंह में छाले हैं या गले में सूजन, खराश अथवा जलन की शिकायत है, तो बहुत गर्म पानी पीना परेशानी बढ़ा सकता है। अधिक गर्म पानी प्रभावित हिस्से में जलन और दर्द को बढ़ा सकता है, जिससे खाने-पीने में भी दिक्कत हो सकती है। ऐसी स्थिति में सामान्य तापमान या हल्का गुनगुना पानी अधिक आरामदायक विकल्प माना जाता है।

एसिडिटी और सीने में जलन से परेशान लोग रहें सतर्क

जिन लोगों को बार-बार एसिडिटी, गैस या सीने में जलन की समस्या रहती है, उन्हें भी बहुत गर्म पानी पीने से असहजता महसूस हो सकती है। हालांकि हर व्यक्ति का शरीर अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है, लेकिन यदि गर्म पानी पीने के बाद जलन या एसिडिटी बढ़ने लगे तो इस आदत पर दोबारा विचार करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

संवेदनशील पाचन तंत्र वाले लोगों को हो सकती है परेशानी

कुछ लोगों का पाचन तंत्र काफी संवेदनशील होता है। ऐसे लोगों को सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने के बाद पेट में जलन, ऐंठन, भारीपन या असहजता महसूस हो सकती है। यदि ऐसा लगातार होता है, तो बेहतर होगा कि पानी का तापमान कम रखा जाए या सामान्य तापमान का पानी पिया जाए। अपने शरीर के संकेतों को समझना सबसे महत्वपूर्ण है।

शरीर में पानी की कमी होने पर केवल गर्म पानी पर्याप्त नहीं

यदि शरीर पहले से डिहाइड्रेशन का शिकार है, तो केवल गर्म पानी पीना पर्याप्त नहीं माना जाता। ऐसे समय में शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ की जरूरत होती है। सामान्य या हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त मात्रा में पीना चाहिए और जरूरत महसूस होने पर डॉक्टर की सलाह से इलेक्ट्रोलाइट्स का भी सेवन किया जा सकता है, ताकि शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स का संतुलन बना रहे।

गर्म पानी पीते समय इन बातों का रखें ध्यान

गर्म पानी पीने का सबसे जरूरी नियम यह है कि पानी कभी भी उबलता हुआ या अत्यधिक गर्म नहीं होना चाहिए। पानी का तापमान इतना होना चाहिए कि उसे आराम से बिना जलन के पिया जा सके। सुबह उठने के बाद एक से दो गिलास हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त माना जाता है। साथ ही, यदि किसी व्यक्ति को पहले से कोई गंभीर बीमारी, पाचन संबंधी समस्या या अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो अपनी दिनचर्या में बदलाव करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सुबह गुनगुना पानी पीना कई लोगों के लिए एक अच्छी और फायदेमंद आदत हो सकती है, लेकिन इसे हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी मानना सही नहीं होगा। यदि गर्म पानी पीने के बाद किसी तरह की असहजता, जलन या अन्य समस्या महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय अपने शरीर की जरूरत के अनुसार बदलाव करना चाहिए। सही तापमान का पानी, संतुलित मात्रा और चिकित्सकीय सलाह के साथ अपनाई गई आदत ही वास्तव में स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित होती है।

सेहत का खजाना है

ये सब्जी, डायबिटीज से लेकर दिल की सेहत के लिए भी मानी जाती है फायदेमंद

बरसात के मौसम में बाजारों में हरी-भरी और ताजी तोरई की भरमार देखने को मिलती है। यह केवल स्वादिष्ट सब्जी ही नहीं, बल्कि पोषक तत्वों से भरपूर ऐसी सब्जी है, जिसे आयुर्वेद में भी विशेष महत्व दिया गया है। हल्की, आसानी से पचने वाली और शरीर को ठंडक पहुंचाने वाली तोरई बरसात और गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी बीमारी के इलाज के लिए केवल तोरई पर निर्भर रहना उचित नहीं है। यदि कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो तो डॉक्टर या आयुर्वेद विशेषज्ञ की सलाह लेना जरूरी है।

पोषक तत्वों से भरपूर होती है तोरई

तोरई में विटामिन ए, विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैग्नीशियम समेत कई आवश्यक खनिज तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा इसमें पानी की मात्रा भी काफी अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। यही वजह है कि गर्मी और बरसात के मौसम में इसका सेवन शरीर को तरोताजा रखने और पानी की कमी से बचाने में सहायक माना जाता है।

पाचन तंत्र को रखती है स्वस्थ

तोरई को पाचन के लिए बेहद लाभकारी सब्जी माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है। नियमित रूप से संतुलित मात्रा में इसका सेवन करने से कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है और पेट साफ रखने में भी सहायता मिलती है। जिन लोगों को अक्सर गैस, अपच या भारीपन की शिकायत रहती है, उनके लिए हल्के भोजन के रूप में तोरई एक अच्छा विकल्प हो सकती है।

वजन नियंत्रित रखने में भी करती है मदद

जो लोग वजन कम करने या नियंत्रित रखने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए भी तोरई लाभकारी मानी जाती है। इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, जबकि फाइबर भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है। यही कारण है कि इसे खाने के बाद लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार भूख नहीं लगती। इस वजह से इसे वजन घटाने वाले संतुलित आहार में भी शामिल किया जाता है।

डायबिटीज मरीजों के लिए भी हो सकती है उपयोगी

मधुमेह यानी डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए भी तोरई को फायदेमंद माना जाता है। इसमें प्राकृतिक रूप से शर्करा की मात्रा कम होती है और फाइबर अधिक होने के कारण यह रक्त में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि डायबिटीज के मरीज अपने खानपान में कोई भी बड़ा बदलाव करने से पहले चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

दिल की सेहत का भी रखती है ख्याल

तोरई का सेवन हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम रक्तचाप को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है। वहीं फाइबर शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में सहायक हो सकता है, जिससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। संतुलित आहार के साथ इसका नियमित सेवन दिल को स्वस्थ रखने में सहयोगी माना जाता है।

शरीर को ठंडक पहुंचाने में सहायक

वैद्य विष्णु दत्त प्रजापति के अनुसार आयुर्वेद में तोरई को शरीर की गर्मी कम करने वाला खाद्य पदार्थ माना गया है। इसका नियमित सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ पानी की कमी से बचाने में भी मदद कर सकता है। यही कारण है कि बरसात और गर्मी के मौसम में इसे भोजन का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है।

इस तरह खाने से मिलेगा अधिक लाभ

विशेषज्ञों का कहना है कि तोरई का अधिकतम पोषण लाभ तभी मिलता है, जब इसे कम तेल और हल्के मसालों के साथ पकाकर खाया जाए। अत्यधिक तेल और मसालों का प्रयोग इसके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकता है। साथ ही हमेशा ताजी, हरी और कोमल तोरई का ही सेवन करना चाहिए, क्योंकि इसमें पोषक तत्व अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं।

संतुलित आहार का बेहतरीन हिस्सा

तोरई ऐसी हरी सब्जी है, जिसमें स्वाद, पोषण और स्वास्थ्य का बेहतरीन संतुलन देखने को मिलता है। यदि इसे नियमित रूप से संतुलित आहार में शामिल किया जाए, तो यह शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने के साथ स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने में भी मदद कर सकती है। हालांकि आयुर्वेद में इसके कई लाभ बताए गए हैं, लेकिन इसे किसी भी बीमारी का निश्चित इलाज नहीं माना जा सकता। यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय से कोई गंभीर बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्या है, तो उसे चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही उपचार कराना चाहिए।

'रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं'

युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को जन्मदिन की बधाई दी

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने शुक्रवार को अपने अभिषेक शर्मा को उनके 26वें जन्मदिन पर खास शुभकामनाएं दीं। अभिषेक शर्मा को एक विस्फोटक बल्लेबाज बनाने में युवराज सिंह का मार्गदर्शक के रूप में अहम योगदान रहा है। युवराज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी। युवराज ने लिखा, 'सर अभिषेक, यह आपका जन्मदिन है। कितना शुभ दिन है। आप जैसे बन गए हैं, उससे प्यार करें - अपने आस-पास के लोगों के साथ शेयरिंग और केयरिंग, और एक लीडर। हमेशा अपनी नाकामियों से सीखते हैं और हर बार और ज्यादा मेहनत करने को तैयार रहते हैं। आपको रनों और टनों से भरे साल की शुभकामनाएं। हमेशा ढेर सारा प्यार।' वीडियो में युवराज और अभिषेक से रैश शॉट न खेलने के लिए कहते और उसकी गलतियों के लिए उससे सिट-अप करवाते हुए देखे जा सकते हैं। युवराज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'बोल मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। अभिषेक सिट-अप्स में कान पकड़ते हैं और कहते हैं कि मैं पहली बॉल ते लप्पा नहीं मारूंगा। ' वीडियो में दोनों के बीच करीबी रिश्ते को भी दिखाया गया है, जिसमें युवराज के कुछ हल्के-फुल्के मजाक भी हैं। इसमें युवराज, अभिषेक और संजू सैमसन को स्टैंड से विंबलडन इवेंट में शामिल होते हुए भी दिखाया गया है। साझा वीडियो में युवराज ने अभिषेक से पूछा, 'आपको क्या चाहिए?' अभिषेक ने कहा, 'आपका आशीर्वाद,' इस पर युवराज ने कहा, 'हमेशा। '

बेन शेल्टन ने शापोवालोव को और टियाफो ने वचेरोट को हराकर

चौथे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । बेन शेल्टन ने डेनिस शापोवालोव को 3 घंटे 22 मिनट तक चले मुकाबले में हराकर यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के चौथे राउंड में जगह बना ली है। शेल्टन ने शापोवालोव को 7-6(3), 6-7(5), 6-2, 6-4 से हराया।23 साल के अमेरिकी खिलाड़ी दूसरे सेट में दो बार सर्व नहीं कर पाए, जिससे शापोवालोव को वापसी करने का मौका मिला और फिर टाईब्रेक जीतकर मैच बराबर कर दिया। इस हार से शेल्टन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। उन्होंने तीसरे सेट में और ज्यादा आक्रामक तरीके से वापसी की और कनाडाई खिलाड़ी का स्तर गिरते ही फायदा उठाया। एक तेज रिटर्न विनर ने लाइन को पार करते हुए शेल्टन को चौथे राउंड की शुरुआत में ही ब्रेक करने में मदद की, और उन्होंने मुकाबला खत्म करने तक अपनी बढ़त बनाए रखी। इस जीत ने लेक्सस एटीपी हेड टू हेड राइवलरी में शापोवालोव पर शेल्टन के दबदबे को 5-0 कर दिया। उन्हें चौथे राउंड में स्टेफानोस सिटसिपास के साथ मुकाबला मिला है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 ने 18वीं सीड जिरी लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6(3), 6-1 से हराकर अपनी वापसी की। दो बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट सिटसिपास ने पहले 10वीं सीड आर्थर फिल्स को हराया था और अब वह टूर्नामेंट में नौ बार खेलने के बाद पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

टियाफो ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में लाइट्स के नीचे 1 घंटे 59 मिनट में वैलेंटिन वचेरोट को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। 11वें सीड खिलाड़ी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, सिर्फ 13 अनफोर्स्ड गलतियों के मुकाबले 30 विनर लगाए और अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 85 प्रतिशत जीता। इस नतीजे के साथ वह यूएस ओपन के चौथे राउंड में छठी बार पहुंचे। सीजन की यह उनकी 40वीं टूर-लेवल जीत थी। टियाफो अब अलेक्जेंडर ज्वेरेव और जैनिक सिनर के साथ 2026 में कम से कम 40 टूर-लेवल जीत वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं। टियाफो का अगले दौर में सामना मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे राउंड में पहुंचे हैं।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा

खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही। मंधाना ने 64 गेंदों पर 7 छक्कों और 14 चौकों की मदद से 124 रन की पारी खेली। मंधाना का टी20 क्रिकेट का यह दूसरा और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 18वां शतक था। मंधाना अब महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

सीपीएल 2026: दासुन शनाका का ऐतिहासिक शतक

सेंट किट्स ने सेंट लूसिया को 137 रन से हराया

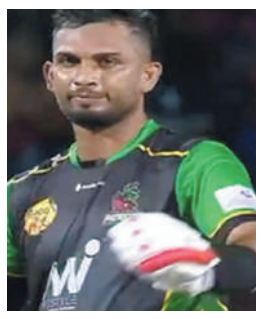

वार्नर पार्क । कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 25वें मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज दासुन शनाका ने इतिहास रच दिया। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की तरफ से खेलते हुए शनाका ने लीग के इतिहास का सबसे तेज शतक लगाया। शनाका की शतकीय पारी की बदौलत सेंट किट्स ने सेंट लूसिया किंग्स को 137 रन के विशाल अंतर से हराया। सेंट लूसिया किंग्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट किट्स की तरफ से पारी की शुरुआत जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने की। शुरुआत अच्छी नहीं रही और मायर्स मात्र 1 रन बनाकर 8 के स्कोर पर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। चार्ल्स और फ्लेचर ने दूसरे विकेट के लिए 48 गेंदों पर 81 रन की साझेदारी की। चार्ल्स 23 गेंदों पर 26 रन बनाकर दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद दासुन शनाका चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

बीसीसीआई ने किया ऐलान: पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 मुकाबला

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है। 'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, 'बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। '

उन्होंने आगे कहा, 'भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। '

सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, 'बीसीसीआई का मानना ??है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। '

फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। 'मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है।

10,000 रन की लिस्ट में 3-4 और भारतीय खिलाड़ियों को देखना चाहती हूं: स्मृति

दुबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने दुबई में टी20 फॉर्मेट में खेले जा रहे महिला एशिया कप में गुरुवार को हांगकांग के खिलाफ खेले गए मैच में 64 गेंदों पर 124 रनों की पारी खेली। अंतरराष्ट्रीय टी20 में मंधाना का यह दूसरा और ओवरऑल 18वां शतक था। मंधाना अब अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। स्मृति मंधाना का भारत में महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने में बड़ा योगदान रहा है। मंधाना ने तीनों ही फॉर्मेट में अपनी दमदार बल्लेबाजी दर्शकों का ध्यान महिला क्रिकेट की तरफ खींचा है। साथ ही लड़कियों में क्रिकेट खेलने के प्रति रुचि जगाई है। हांगकांग के खिलाफ भारतीय टीम की 137 रन से जीत के बाद मंधाना ने बीसीसीआई द्वारा साझा वीडियो में कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि यह मेरा काम है। मैंने कभी भी रिकॉर्ड्स और नंबर्स और इंडिया के लिए जीते गए मैचों की संख्या के अलावा किसी और चीज के बारे में नहीं सोचा। यह एक ऐसा पैमाना है जिसे आप वापस लेते हैं। आप यह वापस नहीं लेते कि आपने कितने रन या रिकॉर्ड तोड़े हैं। ' मंधाना ने कहा, 'अगर मेरी वजह से दस प्रतिशत लड़कियां भी बैट और बॉल उठाकर क्रिकेट खेलना शुरू करती हैं, तो मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा होगा जिस पर मुझे हमेशा गर्व और खुशी होगी। 'अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का कीर्तिमान हासिल करने पर मंधाना ने कहा, 'मिताली को देखते हुए बड़ी हुई हूं। वह हर किसी के लिए आदर्श रही हैं। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 10,000 तक पहुंचूंगी और उनसे आगे निकल जाऊंगी। उम्मीद है कि 10,000 की लिस्ट में इंडियन सेट-अप से तीन-चार और खिलाड़ी होंगे और मैं इसी से आंकलन करना चाहूंगी। अगर मैं सवाल पर वापस आऊं, तो टॉप पांच लिस्ट में तीन या चार को साथ रखना बहुत अच्छा होगा, और वहां तीन या चार भारतीय होंगे। मुझे लगता है कि मैं इसी से अपने करियर को आंकूंगी। '

स्मृति अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हो गई हैं। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 10,880 रन बनाए हैं। हांगकांग के खिलाफ मैच में उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को तोड़ा।

मंधाना ने अपने खेल में सुधार की बात की। उन्होंने कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगी कि आप एक बल्लेबाज या गेंदबाज के तौर पर कभी पूरे होते हैं। अगर आपको ऐसा लगता है, तो क्रिकेट हमेशा आपको दिखाएगा कि आप पूरे नहीं हैं। '

द ट्रेटर्स 2 की जीत पर क्रिस्टल डिसूजा ने खोला राज

'द ट्रेटर्स सीजन 2' में क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ने अपने खेल से सभी को चौंका दिया। उन्होंने शो में 'ट्रेटर्स' की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ कई खिलाड़ियों को गलतफहमी में रखा, बल्कि आखिर तक खुद को बचाए रखा और विजेता बनकर बाहर निकलीं। अब शो के खत्म होने के बाद क्रिस्टल ने बताया है कि शुरुआत से ही उन्हें पता था कि अगर वह किसी सवाल पर जरूरत से ज्यादा सफाई देंगी या खुद को बचाने के लिए बहुत ज्यादा सफाई देने लगेंगी, तो उनका राज खुल सकता है। क्रिस्टल ने अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''ट्रेटर' होना सुनने में भले ही बहुत शानदार लगता हो, लेकिन जब आपको हर दिन उन लोगों से झूठ बोलना पड़े, जिन्हें आप सच में पसंद करते हैं, तब इसकी असली मुश्किल समझ आती है। मैं शुरुआत से ही ट्रेटर थीं और इसलिए मुझे जल्दी समझ आ गया था कि ज्यादा बोलना या किसी आरोप पर तुरंत सफाई देना मुझे सबकी नजरों में ला सकता है। '

क्रिस्टल के कहा, ''इसी वजह से मैंने यह सीखने की कोशिश की कि कब बोलना है, कब चुप रहना है और कब सिर्फ मुस्कुराकर पीछे बैठ जाना है। शो के दौरान मुझ पर शक भी हुआ, आरोप भी लगे और कई बार दूसरे कंटेस्टेंट्स ने मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश भी की, लेकिन मैं किसी तरह हर बार मुश्किल से निकलती चली गई।'' जब शो शुरू हुआ था, तब कुल 21 प्लेयर्स पैलेस में पहुंचे थे। इसके बाद कई हफ्तों तक मर्डर, धोखे, गलत थ्योरी और एक-दूसरे पर शक का खेल चलता रहा। 'शक के घेरे' के दौरान प्लेयर्स लगातार यह पता लगाने की कोशिश करते रहे कि आखिर उनके बीच कौन ट्रेटर है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, एक-एक करके खिलाड़ी बाहर होते गए और आखिर में छह लोग बचे। फिनाले तक मल्लिका शेरावत, साहिल सलाथिया, दलीप ताहिल, शालिनी पासी, क्रिस्टल डिसूजा और रिदा थराना ही खेल में टिके रहे। इन सभी को लगा कि उन्होंने पैलेस के सबसे बड़े धोखे को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन फिनाले में क्रिस्टल और रिदा ने खुद को ट्रेटर बताकर पूरे खेल का सबसे बड़ा राज खोल दिया। दोनों की यह जोड़ी आखिरकार जीत तक पहुंची।

फेम वेदिका पिंटो को मिली प्रोसीत रॉय की अगली फिल्म

मुंबई 'मुसाफिर कैफे' में अपनी एक्टिंग से ध्यान खींचने वाली वेदिका पिंटो अब लक्ष्य के साथ स्क्रीन पर एकदम फ्रेश जोड़ी के रूप में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस इस नई कहानी में अपने किरदार के जरिए एक नया और एक्साइटिंग रंग भरने के लिए तैयार हैं। 'राख' से अपनी खास पहचान बनाने के बाद फिल्ममेकर प्रोसीत रॉय अब अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस अनटाइटल्ड फिल्म में लक्ष्य के साथ वेदिका पिंटो लीड रोल में दिखाई देंगी। कहा जा रहा है कि यह कोई टिपिकल रोमांस नहीं, बल्कि प्यार के साथ साइकोलॉजिकल ट्विस्ट का ऐसा कॉकटेल है, जो कहानी को काफी इंट्रिगिंग बनाने वाला है। 'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'द बा*र्ड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में अपनी वर्सेटिलिटी दिखा चुके लक्ष्य अब इस फिल्म में एक और ज्यादा लेयर्ड और अनप्रेडिक्टेबल किरदार एक्सप्लोर करते नजर आएंगे। यानी इस बार लक्ष्य का अंदाज़ होगा थोड़ा हटके और कहानी होगी उससे भी ज्यादा सरप्राइजिंग! अपने डिस्टिंक्टिव स्टोरीटेलिंग स्टाइल के लिए पहचाने जाने वाले प्रोसीत रॉय इस बार रोमांस को साइकोलॉजिकल ट्विस्ट के साथ पेश करने वाले हैं।

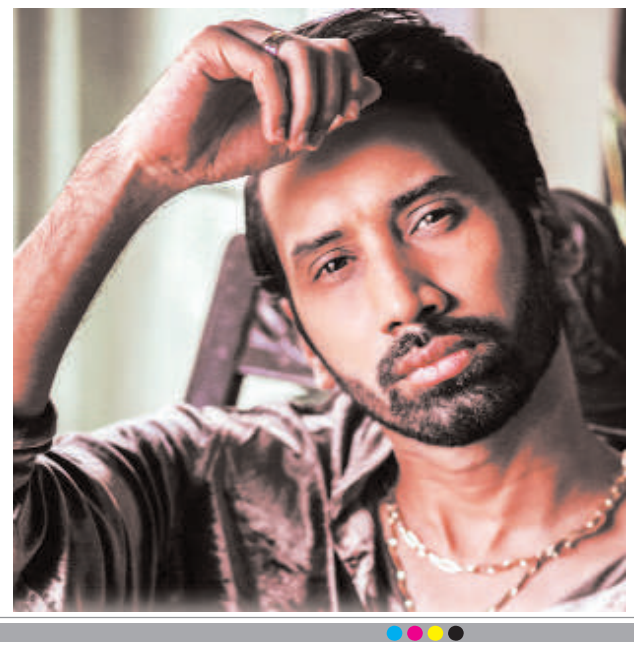

अभिलाष थपलियाल ने तापसी के फिल्मों के चयन को सराहा

अभिनेत्री तापसी पन्नू अपने दमदार अभिनय और शानदार फिल्मों के चयन को लेकर जानी जाती हैं। अब तापसी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' से फिर से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। गुरुवार को अभिनेत्री के मित्र और अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म को देखने की गुजारिश की। अभिलाष थपलियाल ने इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने उनके अभिनय और फिल्मों के चयन की भी सराहना की। अभिनेता ने लिखा, 'अभिनेत्री तापसी पन्नू ने जो फैसले लिए हैं, वो उन्हें इस इंडस्ट्री की हर दूसरी स्टार से अलग बनाते हैं। 'पिंक' से लेकर 'मुल्क', 'थप्पड़', 'मनमर्जियां' और 'अस्सी' तक। उन्होंने हर बार अपने अभिनय से चौंकाया है। '

अभिनेता अभिलाष थपलियाल ने सभी से फिल्म 'गांधारी' देखने की अपील की। अभिनेत्री ने लिखा, 'नेटफ्लिक्स पर 'गांधारी' उस अभिनेत्री के लिए जरूर देखें, जो हर बार नया मुकाम बनाती हैं। इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन और सबसे बहादुर एक्ट्रेस में से एक तापसी पन्नू के नाम।' अभिनेता अभिलाष थपलियाल की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं, तापसी पन्नू ने भी कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, 'यहां सर्वाइव करने का एक वीर चक्र होना चाहिए। ' अभिनेत्री के इस कमेंट पर अभिलाष ने भी रिप्लाई देते हुए लिखा, 'तापसी पन्नू, माहेश्वरी जी ने लिखा था, और शायद आपके ही लिए होगा, प्रातः हो कि रात हो, संग हो न साथ हो। सूर्य से बढ़े चलो, चंद्र से बढ़े चलो। वीर तुम बढ़े चलो, धीर तुम बढ़े चलो!' देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित फिल्म में तापसी पन्नू, इश्वाक सिंह, छाया कदम, मीता वशिष्ठ और स्वास्तिका मुखर्जी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी 'बानी' (तापसी पन्नू) नाम की एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पति गोकुल (इश्वाक सिंह) और बेटी मिष्ठी के साथ जॉयपुरा शहर में रहती है। रेलवे स्टेशन पर बानी की बेटी का अपहरण हो जाता है और एक हिंसक हमले में बानी अपनी आंखों की रोशनी भी खो बैठती है। इसके बाद बानी अपनी बेटी को ढूंढने और बाल तस्करों के एक खतरनाक गिरोह का सामना करने के लिए आंखों पर पट्टी बांधकर खुद मैदान में उतरती है।

संक्षिप्त समाचार

निशु आजाद मामले में स्वतंत्र भारद्वाज पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा, पीओसीएसओ और एससी

नई दिल्ली,एजेंसी। जंतर-मंतर पर सीजेपी प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता निशू आजाद के पिता पर हुए हमले के मामले में दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पीड़िता के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत एक नई एफआईआर दर्ज की है।

इसके साथ ही पहले से दर्ज मामले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम की धाराएं भी जोड़ दी गई हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मामले में नामजद आरोपी स्वतंत्र भरद्वाज की फिलहाल गिरफ्तारी नहीं हुई है। दूसरी ओर, बुलंदशहर में मीडिया से बातचीत के दौरान आरोपी स्वतंत्र भरद्वाज ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सफाई पेश की है। पॉडकास्ट में हमले से जुड़े बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा कि जिसे हमला बताया जा रहा है, वह असल में आत्मरक्षा में उठाया गया कदम था।

सिर में लगी थी चोट: भरद्वाज ने दावा किया कि जंतर-मंतर पर 10 से 15 लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया था और यदि वे बचाव नहीं करते तो उग्र भीड़ उनकी जान ले सकती थी। इसी धक्का-मुक्की और आत्मरक्षा के दौरान पीड़ित को सिर में हल्की चोट आई थी। उन्होंने पुलिस मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पीड़ित को कोई गंभीर चोट नहीं पहुंची है और वे जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पॉडकास्ट क्लिप को फर्जी बताया।

दिल्ली में ब्रिक्स का महामंथन, प्रधान न्यायाधीश ने ब्रिक्स देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर दिया जोर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने ब्रिक्स देशों के बीच आपसी सहयोग बेहतर बनाने और द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने में न्यायपालिका की भूमिका पर ज़ोर दिया है। उन्होंने व्यावसायिक विवाद सुलझाने के लिए मध्यस्थता और सुलह से संबंधित कामन प्लेटफार्म बनाने का प्रस्ताव भी दिया। सुप्रीम कोर्ट में ब्रिक्स देशों के प्रधान न्यायाधीशों के सम्मेलन के पहले दिन शुक्रवार को प्रधान न्यायाधीश ने रूस, चीन, मिस्र, इंडोनेशिया, यूएई, बेलारूस, कजाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, ईरान और उज्बेकिस्तान के न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात की।

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम में ब्रिक्स सदस्य देशों और सहयोगी देशों के प्रधान न्यायाधीशों और वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों ने हिस्सा ले रहे हैं।जस्टिस सूर्यकांत ने न्यायिक प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें कीं।

इस दौरान न्यायिक सहयोग, मध्यस्थता और पंचाट, कमर्शियल कोर्ट और न्याय दिलाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल मजबूत करने समेत न्यायिक हितों के कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा की।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से मुलाकात करने वालों में रूसी संघ के सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश इगोर क्रासनोव, चीन के प्रधान न्यायाधीश झांग जून, मिस्र के सुप्रीम कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश बोलोस गाहमी इस्कंदर बोलोस, और इंडोनेशिया के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुनार्तो शामिल थे।

दिल्ली में बारिश ने बिगाड़ी ब्रिक्स समिट की तैयारियां! लुटियंस से लेकर यमुनापार तक जलभराव; एजेंसियां परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जलभराव से ले कर तमाम उन आपातकालीन स्थितियों से निपटने की तैयारियों का दावा एजेंसियां कर रही हैं, लेकिन शुक्रवार को हुई वर्षा ने तैयारियों की पोल खोल दी और एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

जलभराव के बाद खासतौर पर लुटियंस दिल्ली में एनडीएमसी के कर्मचारी त्वरित सक्रिय हुए और वर्षा धीमी होने के बाद पानी को निकाल दिया जबकि वर्षा के दौरान इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर लुटियंस दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि, जन्माष्टमी की छुट्टी होने के चलते सड़कों पर यातायात कम था, इसलिए जाम तो नहीं लगा, लेकिन वाहनों की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों को परेशानी जरूर हुई।

अलग-अलग इलाकों में जलभराव: बाबा खड़ग सिंह मार्ग से लेकर कनॉट प्लेस में जहां एनडीएमसी के चेयरमैन ने 25 अगस्त को जलभराव पर माफी मांगी थी, वहां फिर जलभराव हुआ। पानी सड़कों पर इतना जमा हो गया कि दुकानों में भी पानी घुसने लगा। इसके अतिरिक्त दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में जलभराव देखने को मिला।

विदेशियों के सामने न हो जाए किरकिरी: एजेंसियां इस बात को लेकर चिंतित हैं कि तैयारियों के बावजूद जलभराव हुआ है तो ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान कहीं यही स्थिति विदेशी मेहमानों के सामने हो गई तो बहुत किरकिरी होगी। वर्षा में जल निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण मध्य दिल्ली की बात करें तो कनॉट प्लेस के साथ ही पंत मार्ग पर जलजमाव हुआ। इसके साथ ही आईटीओ और सदर बाजार, चांदनी चौक के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हुआ।

नाले की गाद बनी है बड़ी समस्या: बाहरी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों से लेकर रिहायशी क्षेत्रों में पानी भर गया। किराड़ी के मुबारकपुर रोड, 70 फुट रोड सहित कई सड़कों पर पानी भर गया।

प्रेम नगर-2, निठारी व अगर नगर में जल निकासी ठप होने के कारण नाले ओवरफ्लो हो गए और पानी सड़क पर इकट्ठा हो गया।

नाले की गाद भी सड़क पर बहती दिखाई दी। ऐसे में लोग नाले की गाद को पानी से साफ करते दिखे। इसके अलावा जहांगीरपुरी, मंगोलपुरी, शाहबाद डेयरी, करावला, रानीखेड़ा, मदनपुर डबास व मुंडका में भी जलभराव के कारण यातायात प्रभावित रहा और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

- **यमुनापार में भी जलभराव से यातायात प्रभावित:** वर्षा के बाद यमुनापार में कई इलाकों में जलभराव की स्थिति देखने को मिली। विकास मार्ग, शकरपुर स्कूल ब्लॉक, पांडव नगर अंडरपास, एनएच-9 और गणेश नगर-पटपड़गंज मार्ग पर जलभराव रहा। गीता कॉलोनी और शकरपुर के रिहायशी इलाकों में भी वर्षा के बाद जलभराव से लोगों को परेशानी हुई। मुख्य मार्गों पर जलभराव के कारण वाहनों की रफ्तार थम गई और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। फुटपाथ तक जलभराव से डूबे होने के कारण पैदल यात्री सड़क पर चलते नजर आए। जलभराव के चलते यमुनापार में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और वाहन चालकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।
- **वसंतकुंज में गिरी दीवार, कई वाहन क्षतिग्रस्त:** दक्षिणी दिल्ली में भी वर्षा होने पर जलभराव के हाटस्पाट माने जाने वाले संगम विहार, देवली, खानपुर, सैनिक फार्म, बदरपुर, मीठापुर चौक, गढ़ी गांव आदि में जलभराव की स्थिति पूर्व की तरह बन गई। वहीं वसंत कुंज के निवासियों की परेशानी भी बढ़ी। वसंत कुंज के ई-7 व ई-9 ब्लॉक में जहां डीडीए की दीवार और इलेक्ट्रिक पैनल गिर पड़ा। दीवार के मलबे के नीचे कई कारें आकर क्षतिग्रस्त हो गईं। वहीं वसंत कुंज के ही ए-1 व ए-2 ब्लॉक के बीच बड़ा पेड़ गिरने से भी एक कार दबकर क्षतिग्रस्त हो गई।
- **अवकाश के दिन भी वाहन रेंगते दिखे:** इसके अलावा एफ ब्लॉक की सोसायटियों के बेसमेंट में पानी भरने से पार्किंग में खड़ी कारें जलमग्न हो गईं। तेज वर्षा के चलते कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित रही। एमबी रोड पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही, तो वहीं मोदी मिल के पास आउटर रिंग रोड, मां आनंदमयी मार्ग, पुल प्रहलादपुर, क्राउन प्लाजा चौक आदि में अवकाश के दिन भी वाहन रेंगते नजर आए।

ओल्ड गुरुग्राम के 23 सेक्टरों की मुख्य सड़कों को सुरक्षित बनाएगा जीएमडीए

गुरुग्राम , एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम के 23 सेक्टरों की मुख्य सड़कों को सुरक्षित करने की तैयारी चल रही है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) इस कार्य के लिए करीब साढ़े चार करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया है। इस राशि से सड़कों पर लेन डिवाइडिंग, जेबरा क्रॉसिंग सहित अन्य सड़क सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था की जाएगी।

जीएमडीए ने सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-23 तक की मुख्य सड़कों को सुरक्षित किया जाएगा। इसे लेकर गुरुवार को टेंडर जारी कर दिया, जिसे 18 सितंबर को खोला जाएगा। अक्टूबर में टेंडर आवंटित कर ठेकेदार को सड़कों को सुरक्षित करने के लिए एक साल का समय दिया जाएगा।

यह सुविधा दी जाएगी-इन मुख्य सड़कों पर इंडियन रोड कांग्रेस के तहत 520 दिशा सूचक सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। सड़क किनारे 1.2 मीटर ऊंची जाली लगाई जाएगी, जिससे कोई आवारा पशु अचानक सड़क पर नहीं आ जाए। जिन सड़कों के बीच में डिवाइडर नहीं है, वहां पर बैरियर लगाकर डिवाइडर का बंदोबस्त किया जाएगा।

सड़कों पर थर्मोप्लास्टिक पेंट से लेन डिवाइडिंग की जाएगी। इसके अलावा जेबरा क्रॉसिंग के इंतजाम किए जाएंगे। सड़क किनारे और लेन के ऊपर स्टड लगाए जाएंगे, जिससे वाहन चालक अपनी लेन में वाहन चलाए। यदि कोई सड़क घूम रही है तो सड़क हादसे से बचाव को लेकर सूचना पट्ट लगाए जाएंगे। जिन सड़कों पर स्पीड ब्रेकर की जरूरत है, वहां उनका बंदोबस्त किया जाएगा। बता दें कि, ओल्ड गुरुग्राम की अधिकांश सड़कों की हालत बदहाल अवस्था में है। इनमें बसई रोड, ओल्ड रेलवे रोड, न्यू रेलवे रोड, सेक्टर-नौ-नौए रोड, सेक्टर-चार-सात रोड, धनवापुर रोड, ओल्ड दिल्ली रोड, पालम विहार रोड, शीतला माता रोड आदि हैं। गड्ढों की वजह से वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। अमित गोदारा, कार्यकारी अभियंता, जीएमडीए, सेक्टर-एक से लेकर सेक्टर-23 की सड़कों को यातायात के लिहाज से दुरुस्त किया जाएगा। इनमें सड़क सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाए जाएंगे। सड़कों की मरम्मत कार्य को लेकर टेंडर आवंटित किया गया है। वहीं सोहना में दौला-हरचंदपुर के बीच 5 किलोमीटर लंबे रोड का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

सम्मेलन के चलते दिल्ली में बदलेगा ट्रैफिक प्लान, 22 जगहों पर डायवर्जन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के लिए मोटर कारकेड रिहर्सल के मद्देनजर शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन और नियंत्रित आवाजाही की घोषणा की है। पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और अतिरिक्त समय निकालें। जहां तक संभव हो, मेट्रो या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। इस सम्मेलन का असर दिल्ली की करीब 22 सड़कों पर पड़ेगा। भारत मंडपम में होने वाले कार्यक्रम के लिए दिल्ली की ट्रैफिक पुलिस ने विस्तार से ऑप्शनल रूट शेयर की है।

निर्धारित डायवर्जन रूट्स और ट्रैफिक कर्मियों के निर्देशों का पालन करें तथा रिहर्सल के दौरान प्रभावित मार्गों से अनावश्यक यात्रा से बचें।आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं के वाहनों को प्राथमिकता दी जाएगी। रूट-वार डायवर्जन, प्रतिबंध और विस्तृत ट्रैफिक व्यवस्था की जानकारी के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा पहले से जारी और पिन किए गए विस्तृत ट्रैफिक एडवाइजरी को पढ़ने का अनुरोध किया गया है।

तेल के भंडार वाला ईरान अब पेट्रोल के लिए मोहताज? सिर्फ 2 महीने का ईंधन बचा

तेहरान एजेंसी। महीनों तक चले अमेरिका के बमबारी अभियानों और नए व कड़े प्रतिबंधों के बाद ईरान एक गंभीर आर्थिक और ईंधन संकट के मुहाने पर खड़ा हो गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि देश के पास अब केवल दो महीने का ईंधन रिजर्व बाकी बचा है। अपनी ही रिफाइनरियों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने और मरम्मत के लिए पैसे न होने के कारण, तेल समृद्ध ईरान अब खुद पेट्रोल आयात करने को मजबूर है।

इतिहास के सबसे कड़े प्रतिबंध

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने हाल ही में ईरान के खिलाफ ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट का ऐलान करते हुए इसे ईरान के खिलाफ इकोनॉमिक डी-डे करार दिया था।

वाशिंगटन ने ईरान के कैस नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय फाइनेंस और तेल निर्यात को पूरी तरह से अलग-थलग कर दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जो भी देश ईरान को किसी भी प्रकार की आर्थिक संजीवनी देगा, उसे खुद गंभीर आर्थिक नतीजों का सामना करना पड़ेगा।

पिछले कई दशकों से प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाला ईरान का फ्रंट कंपनियों, बेनामी टैंकरों और स्मगलिंग का नेटवर्क अब बेअसर साबित हो रहा है, क्योंकि तेहरान के पास अवैध रास्तों के भारी खर्च को उठाने के लिए भी विदेशी मुद्रा नहीं बची है।

रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

अमेरिकी नाकाबंदी का सीधा असर ईरान की आम जनता पर पड़ रहा है। रियाल की कीमत प्रति डॉलर 22 लाख रियाल हो गई, जो पिछले साल 10 लाख थी। खाने-पीने की चीजें और जरूरी वस्तुओं की कीमत दोगुनी हो गई हैं। महंगाई दर 69.9त्न तक पहुंच गई। इतना नहीं बेरोजगारी दर भी 9.1त्न हो गई है। तेहरान में एक निजी कर्मचारी महनाज़ ने रॉयटर्स को बताया, हम हर गुजरते दिन के साथ और गरीब होते जा रहे हैं। भुखमरी और ईंधन की किल्लत के बीच अब तेहरान के पास अमेरिका के साथ बातचीत की मेज पर आने के अलावा बेहद सीमित विकल्प बचे हैं।

एम्स में मरीजों को वीआईपी ट्रीटमेंट दिलाने का खेल! खुद को पीएमओ का ओएसडी बताता था आरोपी; सीबीआई जांच में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताकर एम्स में मरीजों को प्राथमिकता से दाखिला और उपचार दिलाने के आरोप में सीबीआई ने दिल्ली निवासी रविकांत शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। 31 अगस्त को दर्ज केस में धोखाधड़ी, झूठे साक्ष्य देने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। पीएमओ के सहायक निदेशक ने मई में रवि कांत शर्मा द्वारा पीएमओ के नाम के दुरुपयोग की शिकायत की थी।

पीएमओ पोर्टल से जुड़ा ईमेल भी दिया: सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, 26 फरवरी को रवि कांत शर्मा ने व्हाट्सएप के जरिये एम्स के प्रोटोकाल अधिकारी बीएन आचार्य से संपर्क किया और खुद को प्रधानमंत्री का विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) बताया। उन्हें पीएमओ पोर्टल से जुड़ा ईमेल भी दिया। इसके बाद रविकांत शर्मा ने पीएमओ रेफरल के नाम पर मोहम्मद इमरान को एम्स के इमरजेंसी विभाग में प्राथमिकता से दाखिला व उपचार देने का दबाव बनाया जबकि पीएमओ ने स्पष्ट किया कि रवि कांत शर्मा नाम का कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री का ओएसडी नहीं है।

मरीजों को प्राथमिकता दी गई: मामले की सीबीआई की जांच में सामने आया कि इससे पूर्व रविकांत शर्मा ने कविता और अर्चना नाम की दो अन्य मरीजों के मामलों में भी एम्स प्रशासन पर अनधिकृत तरीके से दबाव बनाने की कोशिश की थी। जांच में यह भी पाया गया कि रविकांत शर्मा को पीएमओ का अधिकृत अधिकारी मानकर ही मरीजों को प्राथमिकता दी गई।

सैन्य परिसर के अंदर जोरदार विस्फोट

10 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश बोलिविया में शुक्रवार को एक सैन्य परिसर में हुए जोरदार विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। स्थानीय स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का के मुताबिक, हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से ज्यादा लोग घायल हुए। हालांकि, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 तक पहुंचने की आशंका जताई गई है।

- **सैन्य परिसर में विस्फोट कहां और कब हुआ-** विस्फोट स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:30 बजे वियाचा स्थित सैन्य परिसर में हुआ। यह इलाका बोलिविया की राजधानी ला पाज से करीब 30 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों के अनुसार, धमाका उस हिस्से में हुआ जहां आतिशबाजी और पायरोटेक्निक सामग्री रखी गई थी। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट की शुरुआत किस वजह से हुई। अधिकारियों ने बताया कि परिसर में रक्षा मंत्रालय के भंडार में रखी आतिशबाजी मौजूद थी।

- **धमाके में कितने लोग घायल हुए और नुकसान कितना हुआ-** स्वास्थ्य निदेशक रीटा नेब्रास्का ने बताया कि 62 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी और मृतकों की संख्या 15 तक पहुंच सकती है। घायल लोगों में से 14 को इलाज के लिए ला पाज के अस्पतालों में ले जाया गया। इनमें एक बच्ची भी शामिल थी, जो तीसरी डिग्री तक जल गई। पुलिस के अनुसार, 50 से ज्यादा लोग घायल हुए और विस्फोट की वजह से आसपास के दर्जनों घरों को नुकसान पहुंचा। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि कई घरों की खिड़कियां टूट गईं।
- **राहत और बचाव के लिए मौके पर क्या इंतजाम किए गए-** विस्फोट की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं सैन्य परिसर पहुंचीं। घायलों को चिकित्सा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस, मेडिकल टीम और पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लेते हुए प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता पहुंचाने का काम शुरू किया।
- **क्या सैन्य परिसर में दोबारा विस्फोट का खतरा है-** अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को सैन्य परिसर से दूर रहने की चेतावनी दी है। स्वास्थ्य निदेशक ने बताया कि दमकलकर्मियों को परिसर में अब भी गर्मी का एक स्रोत मिला है, जिससे दोबारा विस्फोट होने की आशंका बनी हुई है। इसी खतरे को देखते हुए लोगों से घटनास्थल से कम से कम 150 मीटर की दूरी बनाए रखने की अपील की गई है।

मॉस्को जाने पर गिरफ्तारी का खतरा, फिर भी तैयार थे जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ बुदानोव

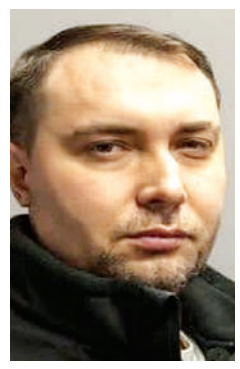

कीव, एजेंसी। इस वर्ष के शुरू में में जब शांति वार्ता का एक दौर खत्म हुआ, तो यूक्रेनी वार्ताकारों को रूसियों की तरफ से एक हैरान करने वाला प्रस्ताव मिला। इसमें कहा गया कि यूक्रेनी अधिकारी चाहें तो मॉस्को की उड़ान पकड़ सकते हैं और वार्ता जारी रख सकते हैं। इसका फायदा यह था कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की संभावना थी और नुकसान यह था कि उन्हें गिरफ्तार भी किया जा सकता था, या उससे भी बुरा कुछ हो सकता था। प्रस्ताव ने इससे पहले जिनेवा में वार्ता के दौरान यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले किरीलो बुदानोव के सामने एक गंभीर असमंजस उत्पन्न कर दिया। रूस ने उन पर आतंकवाद के आरोप लगा रखे हैं, जो तब लगाए गए थे जब वह यूक्रेन के सैन्य जासूसी प्रमुख थे। लेकिन वार्ता के माध्यम से शांति हासिल करने के लिए वह कोई भी अप्रत्याशित कदम उठाने के लिए तैयार थे। कभी रूस से डटकर मुकाबला करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल बुदानोव मौजूदा समय में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के चीफ ऑफ स्टाफ हैं और किसी भी कीमत पर शांति चाहते हैं। बुदानोव का कहना है, बातचीत आज नहीं तो कल किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेगी। आप पूरी जिंदगी युद्ध नहीं लड़ सकते। यूक्रेनी सरकार में नंबर दो की हैसियत रखने वाले बुदानोव ने एक इंटरव्यू में कहा, मैं युद्ध खत्म करने वाले किसी भी कदम के लिए तैयार हूं। बशर्ते यूक्रेन को इसकी शर्तें मंजूर हों। उन्होंने मॉस्को दौरे के प्रस्ताव के बारे में खुलासा किया, जिसकी रिपोर्ट पहले सामने नहीं आई थी। यही नहीं यह दौरान भी परवान नहीं चढ़ सका था, और आगे बातचीत ठप हो गई थी। वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद : जंग लगातार जारी रहने के बीच बुदानोव ने सितंबर के आखिर तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में शांति वार्ता फिर शुरू होने की उम्मीद जताई है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।